page 1 and 8 may 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/10/2026 1:35 AM Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 नशा मुक्ति केंद्र का डीसी ने लिया जायजा

5 नेमार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में एक, विश्व कप के लिए उनका समर्थन करूंगा: मेसी

8 गंड्याल में अवैध खनन पर सख्ती, माइनिंग विभाग ने 4 डंपर, ट्रक और ट्रैक्टर जब्त किए

न्यूनतम 27

मौसम जम्मू

अधिकतम 39

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-23, जम्मू तवी, अंक-113 | जम्मू तवी, रविवार 10 मई, 2026 | मूल्य-3 रूपये- (लेह) 4 रूपये | पृष्ठ -8

खबर संक्षेप

पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई ने अब तक 25,160 करोड़ के दावों का किया निपटान: सीतारमण

नई दिल्ली, 09 मई । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि वर्ष 2015 में शुरू की गई प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) ने अब तक लगभग 25,160 करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया है।

वित्त मंत्री ने एक्स पोस्ट में बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और अटल पेंशन योजना का उद्देश्य समाज के कमजोर और वंचित वर्गों तक सस्ती वित्तीय सुरक्षा पहुंचाना है। ये तीनों योजनाएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नौ मई 2015 को शुरू की गई थीं।

सीतारमण ने कहा कि ये प्रमुख योजनाएं बीमा और पेंशन क्षेत्र को व्यापक बनाने के साथ-साथ नागरिकों को जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान कर दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को मजबूत करने का काम कर रही हैं। पीएमजेजेबीवाई, पीएमएसबीवाई और एपीवाई के तहत क्रमशः 27 करोड़, 58 करोड़ और 9 करोड़ से अधिक नामांकन किए गए हैं।

वित्त मंत्री ने बताया कि पीएमजेजेबीवाई के तहत अब तक 10.7 लाख से अधिक परिवारों को 21,500 करोड़ रुपये से अधिक के दावे का भुगतान किया गया है, जबकि पीएमएसबीवाई के तहत 1.84 लाख से अधिक परिवारों को लगभग 3,660 करोड़ रुपये के दावों का निपटान किया गया है। जनसुरक्षा योजनाओं के 11 वर्ष पूरे होने पर सभी हितधारकों, विशेषकर बैंक और बीमा कंपनियों के फील्ड स्तर के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए, जिनकी वजह से ये योजनाएं सफल हो सकी हैं।

अनंतनाग में ड्रग-फ्री जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत उपराज्यपाल पदयात्रा में हुए शामिल

जम्मू, 9 मई। उपराज्यपाल ने अनंतनाग में ड्रग-फ्री जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत पदयात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने लोगों से अपील की कि नशे के खिलाफ इस लड़ाई को जीतने के लिए चुप्पी तोड़ें और समाज के सभी वर्ग नशे के दुष्प्रभावों के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाएं।

उन्होंने कहा कि नशे की समस्या को केवल पूरे समाज की भागीदारी से खत्म किया जा सकता है। अब जम्मू-कश्मीर के हर कोने — स्कूल, कॉलेज, परिवार, खेल मैदान, गांव और मोहल्लों — से नशा मुक्त समाज का संदेश जाना चाहिए।

उपराज्यपाल ने कहा कि नशे और आतंकवाद के बीच गहरा संबंध है और समाज तथा प्रशासन को मिलकर इसे समझना और खत्म करना होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि पड़ोसी देश योजनाबद्ध तरीके से जम्मू-कश्मीर में नशे की तस्करी कर रहा है और इससे मिलने वाला पैसा आतंकवाद व कट्टरपंथ को बढ़ावा देने में इस्तेमाल हो रहा है।

उन्होंने बताया कि 11 अप्रैल से अब तक अनंतनाग जिले में एनडीपीएस एक्ट के तहत 108 मामले दर्ज किए गए हैं। नशे के पैसों से बने लगभग 3.5 करोड़ रुपये के नार्को महल ध्वस्त किए गए हैं। 22 वाहन जब्त किए गए, 8 ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन पंजीकरण रद्द किए गए तथा कानून उल्लंघन करने पर 13 मेडिकल स्टोर सील किए गए।

उन्होंने पुलिस और प्रशासन से अगले 71 दिनों में अनंतनाग के हर पंचायत और संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचने को कहा। साथ ही आश्वासन दिया कि किसी भी ड्रग तस्कर को बख्शा नहीं जाएगा और पूरे नेटवर्क को जड़ से खत्म किया जाएगा। उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाएं और युवा इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने खिलाड़ियों, शिक्षकों और धार्मिक नेताओं से अगले 71 दिनों तक जागरूकता और पुनर्वास अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

इस अवसर पर उन्होंने जिले में लगभग 20.60 करोड़ रुपये की खेल परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। इनमें जबलीपोरा में आधुनिक खेल अवसंरचना और आवासीय सुविधा, चाकी-कमाल मोंघल में खेल सुविधाओं का विस्तार, नीलंदुसू स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का पुनर्निर्माण और हरमोहल्ला रणबीरपोरा में स्टेडियम विकास शामिल हैं। कार्यक्रम में युवाओं को खेल किट वितरित किए गए और कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक, बांड पाथर और माइम शो के जरिए नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता फैलायी।

नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान का पूरे जम्मू-कश्मीर में बड़ा असर

जम्मू, 9 मई। जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत नशे के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल हुई है। इस अभियान में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, सूचना, पुलिस, शिक्षा और अन्य विभागों ने मिलकर काम किया।

अभियान के दौरान पूरे जम्मू-कश्मीर में 2,16,123 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 1 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया। इनमें पदयात्राएं, स्कूल-कॉलेज कार्यक्रम, गांव स्तर के अभियान, युवा गतिविधियां, सेमिनार, रैलियां, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल रहे।

मानसिक स्वास्थ्य सहायता के तहत टेली-मानस काउंसलिंग सेवा पर 2,786 कॉल प्राप्त हुईं। स्वास्थ्य विभाग की नशा मुक्ति उपचार सुविधाओं में 44,602 मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें 44,263 ओपीडी और 339 आईपीडी मरीज शामिल रहे। 148 मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे।

समाज कल्याण विभाग के पुनर्वास केंद्रों में 441 मरीज भर्ती हुए और 742 लोगों की काउंसलिंग की गई। पुलिस संचालित केंद्रों में 451 मरीज पंजीकृत हुए, 786 लोगों को परामर्श दिया गया और 138 लोग सफलतापूर्वक स्वस्थ हुए।

नशे के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 614 एफआईआर दर्ज कीं। 646 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 435 ड्रग तस्करों को पकड़ा गया और 160 ड्रग हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए।

कार्रवाई के दौरान 37 मकान सील या ध्वस्त किए गए। लगभग 25.97 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की गई, जबकि 3.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त संपत्ति ध्वस्त की गई। 1.67 करोड़ रुपये की चल संपत्ति भी जब्त हुई।

252 ड्राइविंग लाइसेंस और 111 वाहन पंजीकरण रद्द किए गए। 104 मेडिकल स्टोर लाइसेंस निलंबित किए गए और 2 लाइसेंस रद्द किए गए।

सुरक्षा एजेंसियों ने 3.8 किलो हेरोइन, 32.92 किलो चरस और 222.31 किलो गांजा बरामद किया। साथ ही 21 मरला अवैध पोस्ता खेती नष्ट की गई।

अभियान के तहत 3,067 मेडिकल दुकानों की जांच की गई, 2,815 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए और 977 स्कूलों व अस्पतालों का निरीक्षण किया गया। प्रशासन ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को नशा मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी, सख्त कार्रवाई, युवाओं की भागीदारी और पुनर्वास प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

फारूक अब्दुल्ला फायरिंग मामले में जांच पूरी, आरोपी के खिलाफ न्यायिक कार्यवाही शुरू

जम्मू, 09 मई । जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला पर हुए फायरिंग के प्रयास की जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने अपनी जांच पूरी कर ली है और आरोपी कमल सिंह जमवाल के खिलाफ चार्जशीट और संबंधित दस्तावेज अदालत में पेश कर दिए हैं। सूत्रों ने बताया कि अब इस मामले की सुनवाई जम्मू के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में होगी। यह घटना इसी साल मार्च में जम्मू के एक बैंक्वेट हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी जहां आरोपी ने कथित तौर पर डॉ. फारूक अब्दुल्ला को निशाना बनाने की कोशिश की थी। हालांकि सतर्क सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की और हमलावर को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए मामले के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जांच के लिए एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया था। जांच के दौरान आरोपी से गहन पूछताछ की गई। सबूतों की जांच की गई और कई स्थानों पर पूछताछ की गई। सूत्रों के अनुसार प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता और कुछ पुराने विवाद हमले के पीछे संभावित कारण हो सकते हैं। पुलिस ने अदालत के समक्ष सभी प्रासंगिक सबूत पेश कर दिए हैं जबकि अगली सुनवाई में आगे की कानूनी कार्यवाही होने की उम्मीद है।

एक ही अग्नि मिसाइल से कई दुश्मनों पर वार का सफल परीक्षण किया गया

भारत ने एक बार फिर अपनी सामरिक शक्ति और रक्षा तकनीक का प्रदर्शन करते हुए उन्नत अग्नि मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। ओडिशा स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किए गए इस परीक्षण में बहु स्वतंत्र लक्ष्य भेदी पुनः प्रवेश प्रणाली यानी एमआईआरवी तकनीक का सफल उपयोग किया गया। इस तकनीक के माध्यम से एक ही मिसाइल से कई अलग अलग लक्ष्यों पर हमला किया जा सकता है। भारतीय महासागर क्षेत्र में दूर दूर स्थित विभिन्न लक्ष्यों पर कई पेलोड भेजकर इस क्षमता का सफल प्रदर्शन किया गया।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित इस प्रणाली की निगरानी अनेक जमीनी तथा समुद्री ट्रैकिंग केंद्रों ने की। मिसाइल के प्रक्षेपण से लेकर सभी पेलोड के लक्ष्य तक पहुंचने तक पूरे मार्ग का सफल परीक्षण किया गया। प्राप्त आंकड़ों से पुष्टि हुई

कि मिशन के सभी उद्देश्य पूरी तरह सफल रहे। इस उपलब्धि के साथ भारत ने यह साबित कर दिया कि वह अब एक ही मिसाइल से कई रणनीतिक लक्ष्यों को साधने की क्षमता रखता है। इस परीक्षण के दौरान डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक तथा भारतीय सेना के अधिकारी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय सेना और देश के रक्षा उद्योग को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि भारत की सुरक्षा तैयारियों को और मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य में यह क्षमता देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस परीक्षण के बाद अग्नि-छह को लेकर चर्चा और तेज हो गई है। माना जा रहा है कि भारत शीघ्र ही दस हजार किलोमीटर से अधिक मारक क्षमता वाले अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल अग्नि छह की दिशा में आगे बढ़ सकता है। हम आपको बता दें कि हाल ही में डीआरडीओ प्रमुख समीर वी कामत ने कहा था कि इस परियोजना के लिए सभी तकनीकी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और अब केवल सरकार की मंजूरी का इंतजार है। अग्नि छह में भी एमआईआरवी तकनीक लगाए जाने की संभावना है, जिसके कारण यह एक साथ कई परमाणु हथियार अलग अलग लक्ष्यों तक पहुंचा सकेगा।

विजय सरकार के गठन का रास्ता साफ; वीसीके का बिना शर्त समर्थन देने का ऐलान

चेन्नई, 9 मई। तमिलनाडु में विदुथलाई चिरूथईगल काट्ची (वीसीके) ने तमिझगा वेट्री कषगम (टीवीके) को सरकार बनाने के लिए बिना शर्त अपना समर्थन देने का ऐलान शनिवार शाम को कर दिया। वीसीके के इस कदम से राज्य में नयी सरकार के गठन को लेकर पिछले एक सप्ताह से जारी राजनीतिक खींचतान पर विराम लग गया।श्री थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी वीसीके बीते कुछ दिनों से टीवीके को समर्थन देने के मसले पर काफी उहापोह में थी। हालांकि उसके पास 234 सदस्यीय विधानसभा में केवल दो विधायक हैं लेकिन उसका रूख स्पष्ट न होने के कारण टीवीके को बहुमत हासिल करने में अड़चन आ रही थी

अनुच्छेद 370 हटने से जम्मू-कश्मीर के वाल्मीकि समाज को दशकों के अन्याय से मुक्ति मिली : राज्यपाल कविंदर गुप्ता

पालमपुर, 09 मई। राज्यपाल कविंदर गुप्ता ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाना जम्मू-कश्मीर के वाल्मीकि समाज के लिए ऐतिहासिक और न्यायपूर्ण कदम था। उन्होंने कहा कि इस समुदाय ने 70 वर्षों तक अधिकारों से वंचित रहकर भेदभाव और अन्याय सहा। पालमपुर में आयोजित अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के 19वें राष्ट्रीय अधिवेशन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के वाल्मीकि समाज को सम्मान, समान अधिकार और बेहतर अवसर प्राप्त हुए हैं। यह दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर तथा महर्षि वाल्मीकि और B. R. Ambedkar को पुष्पांजलि अर्पित कर की। राज्यपाल ने कहा कि Narendra Modi ने अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू-कश्मीर के सभी वर्गों, विशेषकर वाल्मीकि समाज, पश्चिम पाकिस्तान शरणार्थियों और गोरखा समुदाय को संवैधानिक अधिकार और न्याय दिलाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि आज जम्मू-कश्मीर का वाल्मीकि समाज देश के अन्य नागरिकों की तरह समान अधिकारों के साथ सम्मानजनक जीवन जी रहा है। कविंदर गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ, सबका विकास का सिद्धांत धरातल पर प्रभावी रूप से लागू हुआ है।

614 एफआईआर दर्ज, 646 गिरफ्तार, 435 ड्रग तस्कर पकड़े गए, 160 ड्रग हॉटस्पॉट चिन्हित

नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान

श्रीनगर, 09 मई। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने चल रहे 100 दिवसीय नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। यह अभियान नशे के दुरुपयोग को रोकने, पुनर्वास व्यवस्था मजबूत करने और नशीले पदार्थों के नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर केंद्रित है।

अभियान के तहत पूरे जम्मू-कश्मीर में 2,16,123 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 1 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया। जागरूकता अभियान में मेगा पदयात्राएं, स्कूल और कॉलेज कार्यक्रम, गांव स्तर के अभियान, युवा गतिविधियां, सेमिनार, रैलियां, खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा सामुदायिक संवाद शामिल रहे।

काउंसलिंग और मानसिक स्वास्थ्य सहायता को भी मजबूत किया गया है। टेली-मानस काउंसलिंग सेवा पर 2,786 कॉल प्राप्त हुईं, जो लोगों के बढ़ते भरोसे को दर्शाती हैं।

स्वास्थ्य विभाग की नशा उपचार सुविधाओं में 44,602 मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें 44,263 ओपीडी और 339 आईपीडी मरीज शामिल रहे। इनमें से 148 मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर घर लौटे। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित डीडीएसी पुनर्वास केंद्रों में 441 मरीज भर्ती हुए और 742 लोगों की काउंसलिंग की गई। 18 मरीज पूरी तरह स्वस्थ हुए। पुलिस संचालित डीडीएसी केंद्रों में 451 मरीज पंजीकृत हुए, 786 लोगों को परामर्श दिया गया और 138 लोग सफलतापूर्वक स्वस्थ हुए। अभियान के तहत ड्रग नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत 614 एफआईआर दर्ज कीं। 646 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 435 ड्रग तस्करों को पकड़ा गया और 160 ड्रग हॉटस्पॉट चिन्हित किए गए। सख्त कार्रवाई के तहत 37 मकानों को सील या ध्वस्त किया गया। लगभग 25.97 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति जब्त की गई और 3.70 करोड़ रुपये की अतिरिक्त संपत्ति ध्वस्त की गई। 1.67 करोड़ रुपये की चल संपत्ति भी जब्त की गई।252 ड्राइविंग लाइसेंस और 111 वाहन पंजीकरण रद्द किए गए। 104 मेडिकल स्टोर लाइसेंस निलंबित किए गए तथा 2 लाइसेंस रद्द किए गए।

सरकार जम्मू-कश्मीर में नए पर्यटन स्थलों का विकास करने के लिए प्रतिबद्ध : सकीना इत्तू

जम्मू, 9 मई। सकीना इत्तू ने कुलगाम जिले के पंचनपत्री (हंपथरी) क्षेत्र में कई पर्यटन सुविधाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए ग्रामीण विकास विभाग द्वारा बनाए गए यात्री शेड और नए व्यूपॉइंट को जनता को समर्पित किया।

मंत्री ने कहा कि सरकार जम्मू-कश्मीर के अनछुए और उभरते पर्यटन स्थलों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा कि पंचनपत्री और आसपास के क्षेत्रों में प्राकृतिक सुंदरता और पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, जिससे स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि Omar Abdullah के नेतृत्व वाली सरकार पर्यटन को आर्थिक विकास और रोजगार का बड़ा माध्यम बनाने के लिए काम कर रही है।

मंत्री ने स्थानीय लोगों की समस्याएं भी सुनीं और सड़क, पर्यटन सुविधाओं तथा

अन्य बुनियादी सेवाओं में सुधार का आश्वासन दिया।

उन्होंने खुरिबटपोरा क्षेत्र का दौरा कर हाल की आग की घटना से प्रभावित परिवारों से मुलाकात की और हर संभव सरकारी सहायता का भरोसा दिया।

छात्रों को भविष्य के रोजगार के लिए प्रशिक्षित करें : उपमुख्यमंत्री

जम्मू, 9 मई। उपमुख्यमंत्री ने श्रीनगर के विभिन्न पॉलिटेक्निक कॉलेजों और आईटीआई संस्थानों का दौरा किया।

उन्होंने कहा कि युवाओं को भविष्य के रोजगार के लिए तैयार करने हेतु आधुनिक कौशल प्रशिक्षण जरूरी है।

उपमुख्यमंत्री ने गोगजीबाग पॉलिटेक्निक कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक बेमिना और आईटीआई बेमिना का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं और कार्यशालाओं को आधुनिक मशीनों और उपकरणों से लैस करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि उद्योगों की जरूरतों के अनुसार पाठ्यक्रम तैयार किए जाएं और छात्रों को प्रशिक्षण, इंटर्नशिप तथा रोजगार के अवसर दिए जाएं।

छात्रों से बातचीत के दौरान उन्होंने मिशन युवा योजना का लाभ उठाकर स्वरोजगार अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 10 लाख रुपये तक का ऋण बिना गारंटी उपलब्ध है।

उन्होंने फूड प्रोसेसिंग यूनिट का निरीक्षण करते हुए छात्रों द्वारा बनाए गए उत्पादों की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी जोर दिया।

नेशनल कॉन्फ्रेंस आंतरिक 'बीमारी' के कारण 'वेंटिलेटर पर' है: सुनील शर्मा

जम्मू, 09 मई । विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता सुनील शर्मा ने शनिवार को आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) आंतरिक बीमारी के कारण वेंटिलेटर पर है और चेतावनी दी कि किसी भी विस्तार से पार्टी में गहरी फूट पड़ जाएगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने दावा किया कि भाजपा के खिलाफ बोलने का काम सौंपे गए कुछ ही लोग एनसी के आंतरिक स्वास्थ्य को खराब करने के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने एनसी मुख्यालय नवाए-सुबह में हुए हालिया विरोध प्रदर्शनों को इस बढ़ते संकट से जोड़ा।

मीडिया से बात करते हुए सुनील शर्मा ने कहा कि एनसी मुख्यालय में जो कुछ भी हुआ वह उन लोगों की वजह से है जिन्हें हमारे खिलाफ बोलने का काम सौंपा गया है। यही उस बीमारी का कारण है। सुनील शर्मा ने जोर देकर कहा कि यह बीमारी इतनी फैल चुकी है कि इसका इलाज संभव नहीं है।

साभार : अशोक कुमार मुनड़ेतिया

लकीर के फकीर

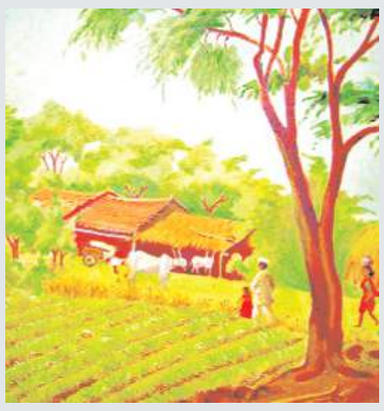

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत : उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत : ही निकला, ' सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।'' यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए ; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो ; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत : उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत : व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत : उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत : यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत : सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला ' अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन : पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा । अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई ! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक - नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-B, Phase- II, Industrial Estate, Gangyal, Jammu से मुद्रित। संपादक- नीलम सिंह गिल। फोन नंबर:- (95)191- 2574109 2548103 RNI Regd. No.: JKBIL/2004/13144 *Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com*

शिक्षकों को शैक्षणिक सहयोग के लिए 'शिक्षक सहायक चैटबॉट' के इस्तेमाल के निर्देश

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। जिला कठुआ में मुख्य शिक्षा अधिकारी केवल कृष्ण की अध्यक्षता में सभी जोनल एजुकेशन अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई जिसमें स्कूलों में चल रही शैक्षणिक, प्रशासनिक और जागरूकता गतिविधियों की समीक्षा की गई।

बैठक में छात्रों और स्टाफ की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए वीएसके पोर्टल के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। साथ ही शिक्षकों को शैक्षणिक सहयोग के लिए 'शिक्षक सहायक चैटबॉट' के इस्तेमाल के निर्देश दिए गए। आईजीओटी कर्मयोगी पहल के तहत शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण और क्षमता विकास पर बल दिया गया, वहीं टीओएफईआई पोर्टल पर मूल्यांकन कार्य समय पर पूरा करने के निर्देश भी दिए गए। 100 दिवसीय 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत स्कूलों में रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, वाद-विवाद, सेमिनार और काउंसलिंग जैसी जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए गए। इन गतिविधियों की नियमित ऑनलाइन अपलोडिंग भी सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में मिड-डे मील योजना की समीक्षा करते हुए स्वच्छता, गुणवत्ता और नियमित मॉनिटरिंग पर जोर दिया गया। साथ ही एआरएमएस पोर्टल पर शत-प्रतिशत डेटा अपलोड करने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा इको क्लब गतिविधियों, फंड के पारदर्शी उपयोग, स्वच्छता, इंफ्रास्ट्रक्चर, अनुशासन और छात्र कल्याण से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। मुख्य शिक्षा अधिकारी ने बेहतर परीक्षा परिणामों के लिए सभी संबंधितों को बधाई देते हुए शिक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

कठुआ नगर परिषद को 8.46 करोड़ की बड़ी सौगात, बाढ़ से क्षतिग्रस्त ढांचे के पुनर्निर्माण को मिलेगी रफ्तार

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। विधायक डॉ. भारत भूषण ने कठुआ नगर परिषद के लिए केंद्र सरकार की प्रमुख योजना के तहत जारी किए गए 8.46 करोड़ रुपये का स्वागत किया है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने इस महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह तथा केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का आभार व्यक्त किया।

विधायक ने कहा कि अगस्त 2025 में आई भीषण बाढ़ और बादल फटने की घटनाओं से कठुआ के बागड़ा, दिलवां, जमालपुर, परला और राखे जैसे क्षेत्रों में जान-माल का भारी नुकसान हुआ था।

इस आपदा के कारण नगर के सड़कों, गलियों, नालियों और नालों सहित बुनियादी ढांचे को गंभीर क्षति पहुंची थी। डॉ. भारत भूषण ने बताया कि हुए नुकसान का आकलन कर विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर संबंधित विभागों को भेजी गई थी। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सरकार ने इन रिपोर्टों को स्वीकार करते हुए 8.46 करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है जिससे नगर परिषद क्षेत्र में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण कार्य को गति मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इस फंड से सड़कों, गलियों, नालियों और अन्य आवश्यक ढांचागत सुविधाओं का पुनर्निर्माण जल्द शुरू होगा जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी और शहर का विकास तेजी से आगे बढ़ेगा। इस प्रेस वार्ता में जिला विकास परिषद के पूर्व वाइस चेयरमैन रघुनंदन सिंह बबलू, भाजपा के राज्य कार्यकारिणी सदस्य प्रेम नाथ डोगरा, जिला अध्यक्ष उपदेश अंडोत्रा तथा जिला सचिव अक्षय भारती भी उपस्थित रहे।

शोधार्थी अद्वितीय इंदु महाजन को पीएचडी की उपाधि

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बिजनेस के शोधार्थी अद्वितीय इंदु महाजन को प्रबंधन विषय में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की उपाधि प्रदान की गई है। अद्वितीय, अनु राधा एवं हिंदू भूषण के पुत्र हैं। उन्होंने अपना शोध कार्य स्कूल ऑफ बिजनेस की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. राशि टग्गर के निर्देशन में पूरा किया। उनके शोध प्रबंध का विषय कंज्यूमर एडॉप्शन ऑफ ऑगमेंटेड रियलिटी टेक्नोलॉजीज- इन्वेस्टिगेटिंग इन्फ्लुएंसिंग फैक्टर्स एंड बैरियर्स रहा जिसमें आधुनिक विपणन शोध के अंतर्गत तकनीक, उपभोक्ता व्यवहार और उपभोक्ता अनुभव के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया गया।

अद्वितीय के शोध कार्य को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहना मिली है। उनके शोध पत्र एबीडीसी और स्कोपस सूचीबद्ध जर्नलों में प्रकाशित हुए हैं। इनमें रिटेलिंग और उपभोक्ता सेवाओं की पत्रिका में प्रकाशित शोध पत्र भी शामिल है जिसका इम्पैक्ट फैक्टर 13.5 बताया गया है। यह स्कूल ऑफ बिजनेस के शोधार्थियों की उच्च प्रभाव वाली उपलब्धियों में से एक माना जा रहा है। इसके अलावा उन्हें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दो बेस्ट पेपर अवॉर्ड भी प्राप्त हुए हैं। अद्वितीय ने अपनी सफलता का श्रेय स्कूल ऑफ बिजनेस के सहयोग को देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार का विशेष आभार व्यक्त किया।

आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने ग्रेटर कैलाश का दौरा किया

जम्मू,, 09 मई (हि.स.)। जम्मू नगर निगम के आयुक्त डॉ. देवांश यादव ने ग्रेटर कैलाश कॉलोनी का दौरा कर वहां के निवासियों और ग्रेटर कैलाश वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों से विभिन्न नागरिक समस्याओं को लेकर बातचीत की।

दौरे के दौरान सोसायटी के सदस्यों ने आयुक्त को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपते हुए सफाई व्यवस्था, जल निकासी, सड़कों की खराब हालत, कूड़ा संग्रहण, आवारा कुत्तों की समस्या, पार्कों और फव्वारों के रखरखाव, मास्ट लाइटों की मरम्मत और कालूचक मुख्य सड़क पर जलभराव जैसी समस्याओं से अवगत कराया।

स्थानीय लोगों ने पुरानी ड्रेनेज व्यवस्था के पुनर्निर्माण, क्षतिग्रस्त गलियों की मरम्मत, नियमित सफाई और भारी वाहनों की आवाजाही रोकने के लिए फॉक्सवैगन शोरूम के पास एंट्री बैरियर लगाने की मांग भी उठाई। इसके अलावा खाली प्लॉटों में कूड़ा फेंके जाने और अतिक्रमण की समस्या पर भी चिंता जताई गई। डॉ. देवांश यादव ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर चरणबद्ध तरीके से हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू नगर निगम शहर में स्वच्छता, बुनियादी सुविधाओं और शहरी विकास को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। वेलफेयर सोसायटी के सदस्यों ने आयुक्त के दौरे और समस्याओं के समाधान के आश्वासन पर आभार व्यक्त किया।

नशा मुक्ति अभियान तेज, छात्रों को किया जागरूक

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस द्वारा जागरूकता गतिविधियां लगातार जारी हैं। एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा के निर्देशन में जिले भर में युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को राजकीय उच्च विद्यालय प्लाख, बसोहली में छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई और उन्हें नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। राजकीय उच्च विद्यालय नाथी मल्हार में आयोजित कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों और स्थानीय लोगों को नशे के खतरे, साथियों के दबाव (पीयर प्रेशर) और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। पुलिस ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य बनाने की अपील की।

हीरानगर व नगरी में 2 तस्कर गिरफ्तार, चिट्टा बरामद

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत नशे के खिलाफ जारी अभियान में कठुआ पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हेरोइन (चिट्टा) जैसी नशीली पदार्थ बरामद किया है।

पहला मामला हीरानगर क्षेत्र का है जहां पुलिस टीम ने दशहरा ग्राउंड के पास गश्त के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में उसकी पहचान शुभम कुमार निवासी दयालाचक तहसील हीरानगर के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 2.75 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस संबंध में थाना हीरानगर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

वहीं दूसरी कार्रवाई नगरी क्षेत्र में की गई जहां पुलिस ने विशेष नाका लगाकर एक व्यक्ति को पकड़ा।

आरोपी की पहचान समीर खान निवासी बरेली (मौजूदा समय में निवासी गुंद नगरी) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से करीब 7.15 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। इस मामले में थाना कठुआ में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच जारी है। कठुआ पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि नशे से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

नशा मुक्ति केंद्र का डीसी ने लिया जायजा

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। डीसी कठुआ राजेश शर्मा ने शनिवार को गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज कठुआ स्थित एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी सेंटर का दौरा कर वहां दी जा रही उपचार और पुनर्वास सेवाओं की समीक्षा की।

यह केंद्र ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के सहयोग से संचालित हो रहा है और 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत नशे की समस्या से निपटने में अहम भूमिका निभा रहा है। दौरे के दौरान डीसी ने केंद्र की विभिन्न इकाइयों का निरीक्षण किया और बुनियादी ढांचे, मरीजों की देखभाल, काउंसलिंग सेवाओं तथा पुनर्वास व्यवस्था का जायजा लिया। डिप्टी सीएसओ डॉ. नीरज नागपाल ने जानकारी दी कि केंद्र को हाल ही में 10 बेड से बढ़ाकर 22 बेड का किया गया है, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों और स्टाफ की 24 घंटे उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डीसी ने मेडिकल टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि नशा पीड़ितों के उपचार में संवेदनशील और मरीज-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाना जरूरी है ताकि वे समाज में सम्मान के साथ पुनः स्थापित हो सकें।

इस दौरान डीसी ने उपचाराधीन मरीजों से बातचीत कर उनका हौसला बढ़ाया और उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रशासन उनकी हर संभव मदद करेगा और उन्हें जागरूकता फैलाने में भी योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र की नियमित मॉनिटरिंग, समय पर उपचार और जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान जारी रखा जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग बिना झिझक सहायता प्राप्त कर सकें।

पुलिस ने दो मादक पदार्थों के तस्करों को किया गिरफ्तार

बड़गाम, 09 मई (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर में चल रहे नशा मुक्त अभियान के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपने गहन अभियान को जारी रखते हुए बडगाम पुलिस ने दो मादक पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार करके और बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद करके एक बड़ी सफलता हासिल की है।

यह कार्रवाई वाटरिहाल पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम ने रावलपोरा में नाकाबंदी के दौरान की। जांच के दौरान नाज़रि अहमद गनी पुत्र अब्दुल रहमान गनी निवासी रखाई अरिजल नामक एक व्यक्ति को रोका गया और गिरफ्तार किया गया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से मक्के के छिलकों में छिपाकर रखा गया 27 ग्राम चरस जैसा पदार्थ बरामद हुआ।

रवींद्र रैना ने शराब और तंबाकू पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की

जम्मू,, 09 मई (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता रवींद्र रैना ने जम्मू-कश्मीर में शराब और सभी प्रकार के तंबाकू उत्पादों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नशा समाज, विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल सकेंत एंव दूरसंचार इंजीनियर, उत्तर रेलवे, फिरोजपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से टैंडर नं० 433-सिग-टी-08-26-27 ई. टैडरिंग के माध्यम से दिनांक 29.05.2026 को 15:00 बजे तक **https://www.ireps.gov.in** वेबसाईट पर निविदांए आमंत्रित की जाती है। निविदाकर्ता अपनी निविदांए असली/संशोधित निश्चित किए गए समय तथा तारीख तक अवश्य जमा करवांए। इस टैंडर के अर्न्तगत मैनुअल निविदा वर्जित है और अगर कोई मैनुअल निविदा प्राप्त होगी तो वह मान्य नही होगी। ठेकेदारों द्वारा टैंडर डाक्यूमेंट की कीमत और ब्याना राशि जो कि इस टैंडर के लिए मान्य है वह केवल आईआरईपीएस पोर्टल जैसे कि नेट बैकिंग, डैबिट कार्ड, क्रैडिट कार्ड इत्यादि द्वारा ही स्वीकृत की जाएगी इसके अतिरिक्त डिमान्ड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपॉजिट रसीद, एफडीआर इत्यादि के माध्यम द्वारा जमा करवाई गई राशि मान्य नही होगी।

कार्य का नाम	फ़िरोजपुर मंडल के अंतर्गत स्टेशन मास्टर कक्ष/पैनल कक्षों और रिले कक्ष में CCTV कैमरे की व्यवस्था करने का कार्य।		
टैंडर बंद करने की तिथि तथा समय	29/05/2026 15:00	टैंडर की अपलोड करने की तिथि तथा समय	07/05/2026 18:26
अनुमानित कीमत	32782354.85	बिडिंग आरम्भ की तिथि (आई.आर.ई.पी.एस)	15/05/2026
ब्याना राशि (रू)	655700.00	कार्य पूरा करने की अवधि	9 महीने
नोट	निविदाकर्ता नियमित रूप से वेबसाइट के संपर्क में रहकर निविदा संशोधनों, शुद्धिपत्र आदि के बारे में स्वयं अपडेट रखें।		

निविदा सूचना सं०-433-सिग-टी-08-26-27 दिनांक: 08/05/2026
बंद होने की तिथि/समय: 08.05.2026 15:00 बजे

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1538/26

वेद मार्ग ही मानवता का सच्चा पथ, सभी के लिए समान उपासना का अधिकार :स्वामी राम स्वरूप जी

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। वेद मन्दिर योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के यज्ञानुष्ठान के 28वें दिन स्वामी राम स्वरूप योगाचार्य ने श्रद्धालुओं को वैदिक ज्ञान का महत्व समझाते हुए कहा कि परमेश्वर सर्वशक्तिमान, सर्वव्यापक और सृष्टि के रचयिता हैं जिनकी उपासना का अधिकार सभी नर-नारियों को समान रूप से है।

स्वामी जी ने ऋग्वेद मन्त्र 7/67/8 के संदर्भ में बताया कि वर्तमान समय में मनुष्यों द्वारा बनाए गए जाति-आधारित भेदभावपूर्ण नियम वेदों के विरुद्ध हैं और ईश्वर को अप्रसन्न करने वाले हैं। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे वेद विद्या को समझकर प्रेम, एकता और शुभ कर्मों के साथ जीवन व्यतीत करें तथा एक परमात्मा की उपासना करें। उपासना के विषय में उन्होंने उपनिषदों के अनुसार श्रवण, मनन और निदिध्यासन को आवश्यक बताया। सामवेद के मन्त्र 卐श्रुधि श्रुत्कर्ण卐 का उल्लेख करते हुए कहा कि मनुष्य को वेदों का श्रवण करना चाहिए, फिर उसके अर्थ पर विचार (मनन) कर उसे जीवन में धारण करना (निदिध्यासन) ही सच्ची साधना है।

अथर्ववेद मन्त्र 1/1/4 का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने कहा कि वेद श्रवण कभी नहीं छोड़ना चाहिए। उन्होंने खेद व्यक्त किया कि आज अधिकांश लोग वेदों का ज्ञान सुनने के बावजूद उसे जीवन में अपनाते नहीं हैं। महाभारत के प्रसंग का उल्लेख करते हुए स्वामी जी ने बताया कि युधिष्ठिर ने यक्ष के प्रश्न कः पन्थाः का उत्तर देते हुए कहा था कि महापुरुषों द्वारा अपनाया गया मार्ग ही श्रेष्ठ होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्राचीन काल से ऋषि-मुनि केवल वेद मार्ग पर चलकर ही मोक्ष को प्राप्त करते आए हैं। स्वामी राम स्वरूप ने अंत में कहा कि वेदों को प्रमाण मानकर ही सत्य जीवन जीया जा सकता है और यही मार्ग मानव कल्याण का आधार है।

वार्ड-21 में गली निर्माण कार्य का शुभारंभ

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। शहर के समग्र विकास को गति देते हुए कठुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने शनिवार को वार्ड नंबर 21 में चार लाख की लागत से एक महत्वपूर्ण गली निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के निवासियों को आवागमन में काफी सहूलियत मिलेगी और लंबे समय से चली आ रही मूलभूत समस्याओं का समाधान भी संभव हो सकेगा।

विधायक डॉ. भारत भूषण ने मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना है ताकि लोगों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। उन्होंने कहा कि यह गली बनने से न केवल लोगों की आवाजाही आसान होगी बल्कि क्षेत्र में साफ-सफाई भी बनी रहेगी। खासकर बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से भी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

स्थानीय निवासियों ने इस पहल के लिए विधायक का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के विकास कार्य उनके दैनिक जीवन को आसान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी इसी तरह क्षेत्र में विकास कार्य जारी रहेंगे।

यह गली निर्माण कार्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है जिससे आने वाले समय में वार्ड-21 के लोगों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

इस अवसर पर पूर्व डीडीसी वाइस चेयरमैन रघुनंदन सिंह बबलू, पूर्व भाजपा जिला प्रधान प्रेम नाथ डोगरा, अशोक शर्मा, अक्षय भारती, कैप्टन पवन, अनिरुद्ध शर्मा, पुरुषोत्तम शर्मा, मोहन मेहरा सहित वार्ड के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को जागरूक कर स्वस्थ और जिम्मेदार समाज निर्माण का दिया संदेश

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के अनुभाग एवं यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी) सेल के संयुक्त तत्वावधान में बीटेक प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ड्रग एब्यूज- अवेयरनेस, प्रिवेंशन एंड बिल्डिंग अ ड्रग-फ्री फ्यूचर विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रो. बलबीर सिंह, डीन अकादमिक अफेयर्स एवं यूएचवी सेल के समन्वयक के मार्गदर्शन में किया गया। व्याख्यान श्री माता वैष्णो देवी चिकित्सा उत्कृष्टता संस्थान के मनोचिकित्सा विभाग के फैकल्टी सदस्य डॉ. अनुज प्रियदर्शी शर्मा ने दिया। उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि मादक पदार्थों का सेवन शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, शैक्षणिक प्रदर्शन और सामाजिक जीवन पर गंभीर असर डालता है। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मअनुशासन, सकारात्मक सोच, भावनात्मक मजबूती और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और सहपाठियों के दबाव, तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य तथा सही निर्णय लेने जैसे विषयों पर संवाद किया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों से नशा मुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप समग्र शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रो. बलबीर सिंह, डॉ. शफक रसूल, डॉ. मधु मंगल चतुर्वेदी और डॉ. पूजा शर्मा शामिल रहीं।

आयोजन समिति ने कुलपति प्रो. (डॉ.) प्रगति कुमार के सहयोग और मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MECHANICAL & HOSPITAL DIVISION JAMMU
NOTICE INVITING TENDER
(Short Term)

MHDJ/e-NIT 35 of 2026-27

Dated: 08.05.2026
Due : 16.05.2026

On behalf of the Lieutenant Governor, Union Territory of Jammu and Kashmir, e-tenders in two cover system on turnkey basis are invited from registered/reputed firms having sufficient relevant experience for the work mentioned below

S. No	Description of work	Project Authority	Estt	Earnest Money Deposit	Cost of tender document	Time of completion	Eligibility Criterion of Bidder
1	**Complete servicing of DG set 320 KVA of Sudhir make installed at Govt. Super Specaility Hospital, Jammu.**	**Principal GMC & Associated Hospital Jammu**	**1.215 LACS**	**Rs 3000.00** in the Shape of **CDR/FDR/TDR valid for 12 months pledged** to the Executive Engineer MH Division Jammu	**Rs 200.00** in the shape of Challan through J&K Govt. Treasury indicating Treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to **0059-PWD** (Revenue) and uploading a copy of treasury challan / receipt on e-tendering portal. **OR** The bidder may deposit tender fee in the shape of e-Challan through Account no. **0097010100002163 in the name of Executive Engineer Mechanical & Hospital Division Jammu** Name of Bank: J&K Bank Town Hall Jammu Branch **Code:0097 IFSC code: JAKA0TNHALL MICR CODE: 180051025**	10 days	Registered & Reputed firms having sufficient experience as per Annexure **"C"** similar **nature** of work

THE NIT CONSISTING OF Qualifying INFORMATION, ELGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & CONDITIONS OF CONTRACT & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED / DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in.

SD/-
(Er. Vishal Mahajan)
Executive Engineer
Mechanical & Hospital Division

DIP/J-1784/26
Dtd:9-5-2026

संपादकीय

अपराध और पशुओं के प्रति क्रूरता पर रोक

यह सराहनीय है कि सरकार ने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नवीनतम पहल के माध्यम से पूरे देश में एक नया अध्याय शुरू किया है। पहली बार 'क्राइम इन इंडिया 2024' की वार्षिक रिपोर्ट में पशुओं के प्रति अपराध और क्रूरता के मामलों को शामिल किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, पूरे देश में पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत कुल 9,039 मामले दर्ज किए गए हैं। यह पशु अधिकार कार्यकर्ताओं की लंबे समय से चली आ रही मांग थी और अब भारत के पास पशुओं के प्रति क्रूरता के मामलों का आधिकारिक आंकड़ा उपलब्ध होगा।

रिपोर्ट में बताया गया है कि महाराष्ट्र में सबसे अधिक 2,927 मामले दर्ज किए गए, जबकि केंद्र शासित प्रदेशों में जम्मू-कश्मीर 223 मामलों के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद दिल्ली में 35 मामले दर्ज हुए। कुछ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में बहुत कम या शून्य मामले भी सामने आए हैं।

अमेरिका जैसे कुछ देशों में पशुओं के प्रति क्रूरता को गंभीर अपराध माना जाता है और भारत द्वारा इस दिशा में पहला कदम उठाना सकारात्मक माना जा सकता है। हालांकि जिन राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों में कम मामले दर्ज हुए हैं, उन्हें पूरी तरह पशु क्रूरता से मुक्त नहीं माना जा सकता। इसके पीछे मामलों की कम रिपोर्टिंग या अधिकारियों की अनभिज्ञता भी कारण हो सकती है।

यह आवश्यक है कि इस प्रवृत्ति का गंभीरता से विश्लेषण किया जाए, क्योंकि जो लोग पशुओं के साथ क्रूर व्यवहार कर सकते हैं, वे इंसानों के साथ भी ऐसा कर सकते हैं। इसलिए इसे समाज की नैतिक स्थिति को परखने का एक पैमाना भी माना जाना चाहिए।

पशुओं के प्रति क्रूरता रोकना एक संवेदनशील और कानून का सम्मान करने वाले समाज के निर्माण के लिए जरूरी है। हालांकि समाज का एक बड़ा वर्ग भोजन के लिए कुछ पशुओं जैसे मुर्गी, बकरी और भेड़ आदि को मारने की अनुमति रखता है, ऐसे में पशुओं के साथ दुर्व्यवहार करने वालों की आलोचना कुछ हद तक विरोधाभासी लग सकती है। फिर भी इसे एक अच्छी शुरुआत माना जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानों, नागरिक निकायों और सामाजिक संगठनों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। स्कूलों में नैतिक शिक्षा के पाठ्यक्रम में पशुओं के प्रति दया और संवेदनशीलता को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि एक ऐसा मानवीय समाज बनाया जा सके जो मूक जीवों को भी सम्मान और जीने का अधिकार दे।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन से आगे बढ़कर सामाजिक पुनर्जागरण की दस्तक

–डॉ. मयंक चतुर्वेदी

> **वामपंथी शासन के अंतिम वर्षों में यह धारणा मजबूत हो गई थी कि विचारधारा प्रशासनिक व्यवहारिकता पर भारी पड़ रही है। आज अच्छा यह है कि भाजपा अब उसी पृष्ठभूमि को सामने रखकर विकास, निवेश और सुशासन आधारित राजनीति का नया विकल्प प्रस्तुत कर रही है। राज्य की नई सरकार इस संदेश के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है कि बंगाल को वैचारिक टकराव के स्थान पर विकास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और जनविश्वास की राजनीति की आवश्यकता बनाया जाएगा। सोनार बांग्ला का संकल्प भाजपा ने जनता के सामने रखा है।**

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की पहली सरकार का गठन निश्चित ही राज्य की सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक दिशा बदलने वाले निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बनी नई सरकार ने अपने गठन के साथ ही स्पष्ट संकेत दे दिया है कि अब बंगाल की राजनीति किसी एक विचार, एक वर्ग या एक राजनीतिक परिवार तक सीमित न रहकर सर्वसमावेशी रहेगी।

नई सरकार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें समाज के लगभग प्रत्येक वर्ग को स्थान देकर व्यापक सामाजिक संतुलन स्थापित किया गया है। लंबे समय तक वामपंथी शासन और उसके बाद तृणमूल शासन के दौरान जिस प्रकार राजनीतिक हिंसा, वैचारिक असहिष्णुता, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक पक्षपात की घटनाएं एवं आरोप सामने आए, उसके बाद भाजपा की यह सरकार स्वयं को लोककल्याणकारी, सहभागितापूर्ण और भयमुक्त शासन के रूप में प्रस्तुत करने के लिए पहले ही दिन से संकल्पित दिखी है।

नई मंत्रिपरिषद की संरचना यह स्पष्ट करती है कि भाजपा ने बंगाल में व्यापक सामाजिक आधार तैयार करने की गंभीर कोशिश की है। बंगाल की जनता भी इस परिवर्तन को एक दल परिवर्तन के रूप में नहीं देख रही, उसके लिए इस व्यवस्था परिवर्तन के विशेष मायने हैं, जिसमें वह अपने लिए एक सुनहरा भविष्य देखती है। जिन लोगों ने आज मंत्री पद की शपथ ली, उनमें हर वर्ग का प्रतिनिधित्व समाहित है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, अग्निमित्रा पॉल जहां सामान्य वर्ग से हैं, वहीं खुदीराम टुडू के माध्यम से भारत के जनजाति समाज को प्रतिनिधित्व मिला है। इसी तरह से दिलीप घोष हैं, जोकि पिछड़ा वर्ग से आते हैं। निसिथ प्रामाणिक राजबंशी हैं। इनमें एक नाम अशोक कीर्तनिया का भी है, वह भी बंगाल के पिछले और अति पिछड़े वर्ग मतुआ समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इस तरह से बंगाल की सत्ता में सभी का सहभाग एक साथ समान रूप से दिखाई दे रहा है। वस्तुतः भाजपा का संदेश साफ है, वह यह कि सत्ता के केंद्र में समाज का हर वर्ग रहेगा। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी ने यहां गांव, सीमावर्ती क्षेत्रों, वनवासी इलाकों और पिछड़े समाजों से आए चेहरों को प्रमुखता एवं प्रमाणिकता के साथ आगे बढ़ाया है। इसके साथ ही आज पश्चिम बंगाल में भाजपा यह भी संदेश देने में भी सफल रही है कि भय और भ्रष्टाचार से मुक्त शासन की आवश्यकता जो इस राज्य में लम्बे समय से जरूरी माना जा रहा था, वह अब इस राज्य में होता हुआ दिखेगा।

कहना होगा कि ममता शासन से जुड़े पुराने अनुभव इस राज्य के बहुत बुरे रहे हैं। उस दौर में पश्चिम बंगाल लगातार राजनीतिक हिंसा और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरा रहा। पंचायत चुनावों से लेकर विधानसभा चुनावों तक अनेक स्थानों पर हिंसा, बूथ कब्जे और विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमलों की घटनाओं ने लोकतंत्र को आहत किया। संदेशखाली जैसी घटनाओं ने महिला सुरक्षा और प्रशासनिक निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्न खड़े किए। शिक्षक भर्ती घोटाला, कोयला तस्करी, पशु तस्करी और अवैध वसूली जैसे मामलों ने राज्य सरकार की छवि को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

स्वभाविक है कि इन घटनाओं ने आम नागरिकों के भीतर असुरक्षा और असंतोष की भावना को और गहरा किया। भाजपा ने इन्हीं मुद्दों को जनता के बीच प्रमुखता से उठाकर परिवर्तन की आवश्यकता को मजबूत आधार दिया। वस्तुतः इसी पृष्ठभूमि में सुवेंदु सरकार का गठन उन लोगों के लिए आशा का संदेश बनकर सामने आया, जोकि लंबे समय से भयमुक्त और निष्पक्ष शासन की अपेक्षा कर रहे थे।

इसके साथ यह भी आज के दिन याद आ रहा है कि कैसे बंगाल का राजनीतिक इतिहास वामपंथी शासन से प्रभावित रहा है! प्रारंभिक वर्षों में भले ही वामपंथ को व्यापक समर्थन मिला दिखता हो, किंतु समय बीतने के साथ सभी ने देखा कि राजनीतिक जड़ता, उद्योगों के पलायन और वैचारिक कठोरता के साथ हिंसा ने पूरे राज्य को पीछे धकेल दिया था। नंदीग्राम और सिंगूर की घटनाएं आज भी बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर गहरे घाव के रूप में याद की जाती हैं। किसानों के आंदोलन, पुलिस कार्रवाई और हिंसक संघर्षों ने राज्य की छवि को गंभीर क्षति पहुंचाई। उद्योगों का राज्य से बाहर जाना और युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों का सीमित होना भी बड़ी चिंता का विषय बना।

वामपंथी शासन के अंतिम वर्षों में यह धारणा मजबूत हो गई थी कि विचारधारा प्रशासनिक व्यवहारिकता पर भारी पड़ रही है। आज अच्छा यह है कि भाजपा अब उसी पृष्ठभूमि को सामने रखकर विकास, निवेश और सुशासन आधारित राजनीति का नया विकल्प प्रस्तुत कर रही है। राज्य की नई सरकार इस संदेश के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है कि बंगाल को वैचारिक टकराव के स्थान पर विकास, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और जनविश्वास की राजनीति की आवश्यकता बनाया जाएगा। सोनार बांग्ला का संकल्प भाजपा ने जनता के सामने रखा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई अवसरों पर कह भी चुके हैं, 卐बंगाल का विकास भारत के विकास का आधार है।

भाजपा अब इसी भावनात्मक और वैचारिक आधार को शासन व्यवस्था में परिणत करने का प्रयास कर रही है। आज सुवेंदु अधिकारी सरकार का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यही माना जा रहा है कि बंगाल अब भय, हिंसा और राजनीतिक वर्चस्व की राजनीति से आगे बढ़कर विकास, सहभागिता और सामाजिक संतुलन की नई दिशा में कदम रखता हुआ दिखेगा, जहां सत्ता का अर्थ समाज के हर वर्ग को सम्मान और अवसर देना भी होगा। फिलहाल तो नई सरकार से यही उम्मीद की जा रही है!

10 मई 1857 – मेरठ से सशस्त्र क्राँति का उद्घोष

–रमेश शर्मा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मई 1857 को मेरठ सैन्य छावनी से आरंभ हुई सशस्त्र क्राँति पूरे देश में फैली। यद्यपि अंग्रेजों से भारत की मुक्ति के लिये इससे पहले भी सशस्त्र संघर्ष हुये किन्तु मेरठ क्राँति का स्वर पूरे देश में गूँजा और जन सामान्य भी इस संघर्ष में सहभागी बना।

दासत्व के अंधकार की अवधि भारत में सबसे लंबी रही। किंतु आक्रांताओं और विदेशी शासकों के दमन के बीच भारत का स्वत्वबोध भी अक्षुण्य रहा। स्वतंत्रता के लिये सदैव संघर्ष हुआ। 1857 की इस क्रान्ति से पहले दक्षिण भारत में रानी चैनम्मा सहित पंजाब और रांची सहित देश के विभिन्न स्थानों में संघर्ष के विवरण मिलते हैं। पर 1857 की क्रांति पहला ऐसा संघर्ष था जिसका पूरे देश में विस्तार हुआ। पहले के संघर्षों में दो कमियाँ रहीं। एक तो वे स्थानीय अथवा क्षेत्रीय रहे और दूसरा संघर्ष राज सैनिकों तक ही सीमित रहा लेकिन 1857 की क्राँति में पूरा भारतीय समाज सहभागी बना। इसमें न जाति की कोई रेखा थी न धर्म की, न राजा का भेद था न सेवक का। सब कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों को भारत से बाहर करने के अभियान में जुट गये थे। यदि रानी लक्ष्मीबाई और लखनऊ की बेगम सक्रिय हुईं तो कानपुर में नृत्य गान से अपनी आजीविका कमाने वाली महिलाएँ भी सहभागी बनी। भारत के सभी धर्म, सभी वर्ग, सभी वर्ण और सभी आयु समूह के लोग इस संघर्ष में सहभागी बने। देश का कोई ऐसा कोना नहीं जहाँ इस संघर्ष की ज्वाला प्रकट न हुई हो।

उन दिनों भारत में दो प्रकार की शासन व्यवस्था थी। एक तो कुछ क्षेत्र सीधे अंग्रेजों के आधीन थे। वहां उनके अधिकारी सीधा नियंत्रण रखते थे और दूसरी ओर कुछ क्षेत्र रियासतों के आधीन। रियासतों में कहने के लिये राजा या नबाब हुआ करते थे पर ये राजा नबाब सब अंग्रेजों की कठपुतली थे। हर रियासत में अंग्रेज पोलिटिकल एजेन्ट रहता था। वह अपने अनुसार इन्हें संचालित करता था। राज परिवार में कौन उत्तराधिकारी होगा यह निर्णय भी अंग्रेज करते थे। हर रियासत के लिये वसूली का एक टारगेट होता था। जो हर हालत में वसूल होता था। यह वसूली में बरती जाने वाली क्रूरता से कई लोगों की मौत भी हो जाती थी जिसे पूछने वाला भी कोई न था। अंग्रेजों के इस दबाव से पूरे देश की जनता में बहुत रोष था और जब मेरठ से क्राँति आरंभ हुई तो सबका स्वर समवेत हो गया।

मेरठ से आरंभ हुई इस क्रान्ति का बीजारोपण मेरठ से बहुत दूर बंगाल की बैरकपुर छावनी से हुआ था। भारत की सैन्य छावनियों में ऐसे कारतूस आये जिनके बारे में कहा जाता था कि उनमें गाय और सुअर की चर्बी का कोड है। इन कारतूसों का उपयोग 1853 से आरंभ हुआ था। कारतूस की बनावट ऐसी थी कि इसे बंदूक में डालने के लिये कवर खोलना होता था, जिसे मुँह से खींचा जाता था। कारतूस पर गाय और सुअर की चर्बी का कोड होने की चर्चा के चलते सैनिक मुँह से खोलने से बचने लगे। सैनिकों ने अपनी बात अधिकारियों तक पहुँचाई किन्तु बात नहीं बनीं। तब मार्च 1857 में बंगाल की बैरकपुर छावनी के सैनिकों ने आवाज उठाई और सिपाही मंगल पांडे सामने आये। वे इस सैन्य छावनी की 34 वीं इन्फ्रेन्ट्री में सिपाही थे। उन्होंने अपने कुछ साथी सैनिकों से चर्चा की और संयुक्त रूप से प्रतिकार करने का आव्हान किया। उनकी बात से अनेक सैनिक सहमत तो थे पर विरोध करने का साहस न कर पा रहे थे। इन चर्चाओं भनक कमांडर तक पहुँची।

सैन्य कमांडर ने 29 मार्च 1857 को परेड बुलाई और कारतूस लोड कर फायरिंग का आदेश दिया किन्तु सैनिकों ने आदेश मानने से इनकार कर दिया। इसपर कुछ अंग्रेज सैन्य अधिकारी परेड मैदान में ही सैनिकों के साथ दुर्व्यवहार करने लगे, पीटने लगे। इसका सिपाही मंगल पाँडे ने विरोध किया तो सार्जेंट-मेजर जेम्स ह्यूसन बंदूक लेकर उनकी ओर दौड़ा। वह समीप आता इससे पहले ही सिपाही मंगल पाडेय ने उसपर गोली चला दी लेकिन वह बच गया। जनरल जॉन हर्से ने मंगल पाँडे को बंदी बनाने का आदेश जमादार ईश्वरी प्रसाद को दिया। जमादार ईश्वरी प्रसाद ने भी आदेश मानने से इनकार कर दिया। वहाँ मौजूद सैनिकों में से कोई भी मंगल पांडे गिरफ्तार करने आगे नहीं आया। तब उस छावनी से मौजूद एक अन्य टुकड़ी के सिपाही बुलाये गये।

सैनिक शेख पलटू अपनी टोली के साथ आगे आया। मंगल पाँडे और ईश्वरी प्रसाद बंदी बना लिये गये। 6 अप्रैल उनका कोर्ट मार्शल हुआ। 8 अप्रैल को क्राँतिकारी मंगल पाँडे और 21 अप्रैल को जमादार ईश्वरी प्रसाद फांसी पर चढ़ा दिये। बटालियन के सभी सैनिकों से हथियार ले लिये गये। अंग्रेज सरकार ने यह पूरी रेजिमेंट भंग कर दी। सभी सैनिकों को बर्खास्त कर दिया गया। यह बर्खास्तगी साधारण नहीं थी। पहले परेड बुलाई, उनकी वर्दी ही नहीं सारे कपड़े उतारे गये। काफी अपमानित किया गया। शेख पलटू को पदोन्नत करके हवलदार बना दिया गया। जिस प्रकार इस इन्फेन्ट्री के सैनिकों को अपमानित किया गया था उसकी प्रतिक्रिया देशभर की छावनियों में हुई लेकिन मुखर स्वर देने का काम मेरठ छावनी से हुआ।

मेरठ से राष्ट्रव्यापी बनी क्राँति

बंगाल की बैरकपुर छावनी में जिस 34 वीं इन्फेन्ट्री को भंग करके सैनिकों को अपमानित किया गया था उसके अधिकांश सैनिक उत्तरप्रदेश के थे। क्राँतिकारी मंगल पांडे भी उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के थे। सैनिक अपने अपने घरों को लौटे। ये समाचार छिप न सका। छावनियों में नये कारतूस को लेकर जो असंतोष था उसे सैनिकों के इस अपमान के समाचार ने हवा दी। बैरकपुर घटना पर अंग्रेज सरकार ने भी छावनियों में 卐अलर्ट卐 जारी किया। मेरठ छावनी में दोनों समाचार पहुँचे। सैनिकों के अपमान का भी और अधिकारियों को अलर्ट रहने का भी। मेरठ की यह सैन्य छावनी देश की सबसे बड़ी छावनी थी और दिल्ली का सुरक्षा कवच भी। यहाँ लगभग पांच हजार सैनिक रहा करते थे। इनमें 2357 भारतीय मूल के और 2038 सैनिक विदेशी मूल के थे। इन्हें नियंत्रित करने के लिये अंग्रेज अधिकारियों की टोली तैनात थी जिनकी सुरक्षा के लिये स्वचालित बंदूकों के साथ बारह सिपाहियों का दल सदैव सक्रिय रहता था। स्वचालित बंदूकों वाले ये सभी सैनिक विदेशी होते थे।

कारतूसों को लेकर मेरठ छावनी में भी भारी असंतोष था। इन्हें बदलने के लिये अधिकारियों से आग्रह भी किया जा चुका था पर स्थिति यथावत रही। जब बैरकपुर छावनी के घटनाक्रम के समाचार और सरकार का अलर्ट मेरठ छावनी आया तो वातावरण उफान पर आ गया। सैनिकों में कारतूस से उत्पन्न अंसतोष कम करने के लिये कमांडिंग आफीसर लेफ्टिनेंट कर्नल जॉर्ज स्मिथ ने 24 अप्रैल 1857 को परेड बुलाई और कारतूस के बारे में फैली चर्चा को केवल अफवाह बताया। सैनिकों को वह विकल्प भी समझाया गया कि यदि किसी सैनिक को यह कारतूस मुँह से नहीं खोलना है तो वह बिना मुँह लगाये कारतूस कैसे खोल सकता है। छावनी में तैनात सैनिकों को अलग-अलग टुकड़ियों में बाँटकर यह समझाइश दी जाने लगी लेकिन इसका कोई बहुत प्रभाव न पड़ा। ऐसे अभ्यास में कुछ सैनिकों ने भाग लिया और कुछ बहाना बनाकर दूर रहे।

8 मई 1857 को आयोजित ऐसी ही एक अभ्यास परेड में 90 सैनिक उपस्थित थे। इनमें से 85 ने यह कारतूस छूने से इनकार कर दिया। इन सैनिकों से हथियार ले लिये गये और बंदी बना लिया गया। 9 मई को इन बंदी सैनिकों की परेड हुई। इन सभी सैनिकों को कोर्ट मार्शल के आदेश हुये। सजायें सुना दी गई। पूरी छावनी में इस निर्णय से भारी असंतोष फैला और अगले ही दिन 10 मई को छावनी के सभी भारतीय सौनिक शस्त्र लेकर अंग्रेजों पर टूट पड़े। केवल 72 घंटे के भीतर पूरे मेरठ परिक्षेत्र में सशस्त्र क्राँति का आरंभ हो जाना सभी शोधकर्ताओं और इतिहासकारों के लिये आश्चर्य का विषय रहा है। यह ठीक है कि अंग्रेजी सरकार द्वारा किसानों और व्यापारियों से की जानी वाली वसूली शोषण की पराकाष्ठा थी। वसूली कर्ता जो अपमान करते थे उससे जन सामान्य में बहुत असंतोष था। बैरकपुर छावनी के समाचार तो आ ही चुके थे। अब मेरठ सैन्य छावनी में आठ मई को हुये घटनाक्रम का समाचार भी फैला तो जन सामान्य और आक्रोशित हो गया और दस मई को छावनी के भीतर और बाहर एक साथ क्राँति की ज्वाला धधक उठी।

यद्यपि इतिहास की पुस्तकों में कुछ बातें स्पष्ट नहीं हैं फिर भी इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि मेरठ छावनी के भीतर और बाहर जन सामान्य के बीच कोई ऐसा सूत्र अवश्य होगा जिसने क्राँति के लिये दोनों धाराओं को जोड़ा। कुछ पुस्तकों में भी उल्लेख है कि जिन दिनों मेरठ छावनी में सैन्य क्राँति आरंभ हुई उन्हीं दिनों स्वामी दयानन्द सरस्वती का मेरठ प्रवास था। वे लगभग एक माह रुके थे। उनके प्रवचन राष्ट्र स्वाभिमान और स्वत्व जागरण से संबंधित होते थे। कुछ विश्लेषण कर्ताओं का मानना है कि मेरठ में हुई इस जनक्रांति को उत्प्रेरित करने में महर्षि दयानंद सरस्वती के प्रवचनों और पेशवा नानासाहेब की भूमिका महत्वपूर्ण थी। हो सकता है सत्य कोई और हो पर इस तथ्य पर स्वतंत्र शोध आवश्यक है कि वह शक्ति कौन थी जिसके चलते संतों, साधुओं और पुरोहितों की टोलियाँ ने देश भर में घूम घूम कर जन जागरण किया। इस क्रांति के संदेश के लिये प्रतीक के रूप में रोटी और कमल थे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी

ङ्घ– योगेश कुमार गोयल

मलेरिया एक गंभीर और कभी-कभी प्राणघातक हो जाने वाली बीमारी है, जो आमतौर पर एक निश्चित प्रकार के मच्छर को संक्रमित करने वाले परजीवी के कारण होती है और इन संक्रमित मच्छरों के काटने से मलेरिया होता है। अमेरिका से करीब 70 साल पहले ही मलेरिया को पूरी तरह खत्म घोषित कर दिया गया था लेकिन अभी भी प्रतिवर्ष दो हजार अमेरिकी इससे संक्रमित होते हैं। भारत में तो हर साल लाखों लोग मलेरिया से संक्रमित होते हैं।

चिंता की स्थिति यह है कि दुनियाभर में मलेरिया से हर साल लाखों लोग मौत के मुंह में समा रहे हैं, जिनमें ज्यादातर छोटे बच्चे हैं। पांच साल से कम उम्र के बच्चे मलेरिया से असमान रूप से प्रभावित होते हैं, जो मलेरिया से होने वाली कुल मौतों का करीब 82 प्रतिशत है। 2021 में मलेरिया से दुनियाभर में 6.19 लाख लोगों की मौत हुई थी जबकि 2022 में 6.08 लाख लोग मलेरिया के कारण मारे गए और 2024 में मलेरिया से 6.1 लाख मौतें दर्ज की गई। हालांकि मलेरिया ऐसी बीमारी है, जिसकी रोकथाम करके बड़ी संख्या में होने वाली इन मौतों को रोका जा सकता है लेकिन यह दुनियाभर में रोकी जा सकने वाली बीमारी और मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है। इसीलिए मलेरिया को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 2008 से ही 25 अप्रैल को एक खास विषय के साथ 'विश्व मलेरिया दिवस' मनाया जाता है।

इस वर्ष मलेरिया दिवस की थीम है- 'मलेरिया को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्धः अब हम कर सकते हैं। अब हमें करना ही होगा।' इसका प्रमुख संदेश यही है कि मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना है। भेदभाव और कलंक को खत्म करना, स्वास्थ्य संबंधी निर्णय लेने में समुदायों को शामिल करना, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्वास्थ्य देखभाल को उस स्थान के करीब लाना, जहां लोग रहते हैं और काम करते हैं, मलेरिया के खतरे को बढ़ाने वाले कारकों को संबोधित करना, सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज में मलेरिया नियंत्रण हस्तक्षेप इत्यादि मलेरिया दिवस मनाने के प्रमुख उद्देश्य हैं।

दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि हर किसी को मलेरिया की रोकथाम, पता लगाने और इलाज के लिए गुणवत्तापूर्ण, समय पर और सस्ती सेवाओं का अधिकार तो है लेकिन यह सभी के लिए वास्तविकता नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार दुनियाभर में मलेरिया के बीस करोड़ से भी ज्यादा नए मामले दर्ज किए जाते हैं, जिनमें से कई लाख लोगों की हर साल मौत हो जाती है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि मलेरिया की रोकथाम के मामले में बीते कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण प्रगति तो हुई है लेकिन मलेरिया के खिलाफ लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है और मलेरिया मुक्त विश्व के लक्ष्य को प्राप्त करना अभी भी गंभीर चुनौती है। चिंता का विषय यह भी है कि प्रभावित क्षेत्रों में यह बीमारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों और अर्थव्यवस्थाओं पर बड़ा बोझ भी डालती है।

मलेरिया एनोफेलीज मादा मच्छर के काटने से होता है, जो प्लाज्मोडियम परजीवी से संक्रमित होता है और जब यह मच्छर किसी को काटता है तो ये परजीवी मानव रक्त में प्रवेश करके लिवर तथा लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाने लगते हैं और व्यक्ति को बीमार बना देते हैं। इस रोग की गंभीरता परजीवी पर ही निर्भर करती है। मनुष्यों में सबसे आम मलेरिया परजीवी 'प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम' है, जो बीमारी के सबसे घातक रूप के लिए जिम्मेदार है।

एनोफेलीज मच्छर वाहक के रूप में कार्य करते हैं, जब वे एक संक्रमित व्यक्ति को काटते हैं और फिर दूसरे व्यक्ति को काटते हैं तो परजीवियों को प्रसारित करते हैं। जब परजीवी एक बार मानव शरीर के अंदर यकृत में चले जाते हैं तो ये लाल रक्त कोशिकाओं के अंदर गुणन करते हैं, जिससे कई प्रकार के लक्षण पैदा होते हैं। मनुष्यों को मलेरिया के चार मुख्य प्रकार (प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम, प्लाज्मोडियम विवैक्स, प्लाज्मोडियम ओवले और प्लाज्मोडियम मलेरिया) संक्रमित करते हैं। प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम सबसे खतरनाक प्रकार है जबकि मलेरिया के अन्य प्रकार आमतौर पर हल्की बीमारी का कारण बनते हैं।

गंभीर मलेरिया गंभीर एनीमिया, गुर्दे की विफलता, दौरे, कोमा और यहां तक कि मृत्यु जैसी जटिलताओं का कारण भी बन सकता है, खासकर यदि तुरंत निदान और इलाज नहीं किया जाए। हालांकि दुनियाभर में शोधकर्ता मलेरिया को नियंत्रित करने और अंततः ख़त्म करने के लिए टीकों और अन्य नवीन समाधानों पर काम कर रहे हैं लेकिन इसकी रोकथाम के मुख्य उपायों में उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में मच्छरदानी, कीट विकर्षक और मलेरिया-रोधी दवाओं का उपयोग करना शामिल है। जटिलताओं और मृत्यु को रोकने के लिए प्रभावी मलेरिया-रोधी दवाओं के साथ शीघ्र निदान और उपचार महत्वपूर्ण है।

मलेरिया होने पर आमतौर पर तेज बुखार होता है, जो 103 से 105 डिग्री तक हो सकता है। सिरदर्द, बदन दर्द, घबराहट, अत्यधिक पसीना आना, जी मिचलाना, उल्टी होना, अत्यधिक ठंड लगना, कमजोरी इत्यादि मलेरिया के अन्य प्रमुख लक्षण हैं। इन लक्षणों को लंबे समय तक नजरअंदाज करना भी खतरनाक हो सकता है। वैसे तो मलेरिया के लक्षण प्रायः 24 से 48 घंटे में ही नजर आ सकते हैं लेकिन कई बार लक्षण सामने आने में ज्यादा समय भी लग सकता है। मलेरिया की जांच से ही पता चल पाता है कि मरीज किस तरह के मलेरिया से ग्रसित है और उसी के आधार पर विभिन्न दवाओं से उसका इलाज शुरू किया जाता है। साधारण मलेरिया होने पर सही इलाज से मरीज 3-5 दिनों में ठीक हो सकता है लेकिन यदि सीवियर फाल्सीपेरम मलेरिया हुआ तो समय पर और सही इलाज नहीं कराने पर मरीज की मौत भी हो सकती है। इसलिए बेहद जरूरी है कि मलेरिया की जांच और इलाज में कोताही न बरतें। गर्मी और मानूसन के दौरान मच्छरों की संख्या बहुत बढ़ जाती है, इसलिए आमतौर पर मलेरिया इन्हीं मौसम में सबसे ज्यादा होता है। वैसे मलेरिया के मच्छर अधिकांशतः उन्हीं जगहों पर पनपते हैं, जहां गंदगी होती है या गंदा पानी जमा होता है। इसलिए मलेरिया की रोकथाम के लिए सबसे जरूरी है कि अपने घरों में तथा आसपास गंदगी और गंदा पानी एकत्र न होने दें।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

जतिन परांजपे की देखरेख में अपनी सोच और शॉट चयन पर काफी काम किया है : सूर्यांश शेडगे

एजेंसी

मुंबई : पंजाब किंग्स के ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे का कहना है कि उन्होंने नेट्स में पूर्व भारतीय खिलाड़ी और चयनकर्ता जतिन परांजपे की देखरेख में दबाव भरे हालात में अपनी सोच और शॉट चयन पर काफी काम किया है। शेडगे (23 साल) को इंडियन प्रीमियर लीग में मौके का इंतजार करना पड़ा, लेकिन गुजरात टाइटन्स के खिलाफ पंजाब किंग्स के लिए 57 रन की शानदार पारी खेलकर उन्होंने प्रभावित किया। इसके बाद उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 17 गेंदों में तेजी से 25 रन बनाए। शेडगे ने बताया कि उन्होंने यहां 'वासु परांजपे क्रिकेट सेंटर' में परांजपे की देखरेख में दबाव वाले हालात में स्पष्टता से सोचने के लिए अपनी मानसिकता पर काम किया है। शेडगे ने कहा, 'पिछले डेढ़ साल मेरे लिए बहुत अहम रहे हैं। जतिन सर ने सिर्फ मेरी बल्लेबाजी पर ही नहीं, बल्कि मेरी सोच और आत्मविश्वास पर भी काम करने में मेरी मदद की। उन्होंने हमेशा मुझे अपने स्वाभाविक खेल पर भरोसा करने और दबाव में स्पष्टता से सोचने के लिए प्रेरित किया।' परांजपे ने कहा कि क्रिकेटरों के लिए सही फैसले लेने का हुनर होना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'आजकल बहुत से युवा क्रिकेटरों में हुनर तो होता है, लेकिन फर्क अक्सर सोच और फैसले लेने के तरीके से आता है।'

RCB से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) : कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।' शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की T20I टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है। रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया T20I सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त T20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी। फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है। इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए, जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद : दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नास्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नास्र की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नास्र के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक है। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नास्र से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नास्र से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

नेमार श्रेष्ठ खिलाड़ियों में एक, विश्व कप के लिए उनका समर्थन करूंगा: लियोनल मेसी

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स । दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी का मानना है कि ब्राजील के स्टार फुटबॉलर नेमार अभी भी इस खेल के श्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। मेसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ब्राजील का यह फॉरवर्ड अगले महीने होने वाले फीफा विश्व कप में खेलेगा। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार मेसी ने लो डेल पोलो शो में कहा, 'हम चाहते हैं कि विश्व कप में सबसे अच्छे खिलाड़ी हों और नेमार, चाहे उनका फॉर्म कैसा भी हो, हमेशा उनमें से एक रहेंगे।' उन्होंने कहा, 'ब्राजील और फुटबॉल के लिए उनके बहुत मायने हैं, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना बहुत अच्छा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह वहां होंगे, लेकिन मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता, क्योंकि उन्हें हमेशा वहां रहना होता है।' मेसी ने माना कि उनकी दोस्ती की वजह से उनके लिए निष्पक्ष

रहना मुश्किल हो गया। उन्होंने कहा, 'मैं किसी चीज को लेकर निष्पक्ष नहीं रह सकता। नेमार एक दोस्त है। जाहिर है, मैं चाहूंगा कि वह विश्व कप में हो, उसके साथ अच्छी चीजें हों क्योंकि वह जैसा इंसान है, उसके लिए वह इसके लायक है। और मुझे उम्मीद है कि वह वहां हो सके।' मेसी ने आगे कहा, 'उसमें एक बहुत ही खास करिश्मा है। वह दिखावा नहीं करता। वह अपनी जिंदगी वैसे ही जीता है, जैसा वह महसूस करता है, बिना नतीजों की चिंता किए। वह खुश है, और वह बहुत नैचुरल है।' आठ बार के बैलन डी'ओर विनर ने कहा कि अर्जेंटीना के लिए 2022 वर्ल्ड कप टाइटल बचाना मुश्किल काम होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को लीडिंग कंटेंडर बताया। मेसी ने कहा, 'हम जानते हैं कि विश्व कप हमेशा एक मुश्किल मामला होता है क्योंकि इसमें शामिल टीमें मजबूत होती हैं। हमें उम्मीद रखनी होगी, जैसे हर अर्जेंटीनाई हमेशा करता है जब भी कोई आधिकारिक प्रतियोगिता होती है, चाहे वह कोपा अमेरिका हो या विश्व कप -- लेकिन हमें यह भी मानना ??होगा कि हमसे आगे दूसरी फेवरेट टीमें हैं जो बेहतर हैं।' नेमार और मेसी 2013 से 2017 तक बार्सिलोना में साथ खेले और 2021 से 2023 तक पेरिस सेंट-जर्मेन में साथ रहे। बचपन के क्लब सैंटोस में लौटने के बाद से नेमार लगातार चोट की समस्या से परेशान रहे हैं। वह इस साल सिर्फ 12 मैच खेल पाए हैं। उन्होंने 2025 में 28 मैच खेले थे। ब्राजील के अब तक के सबसे ज्यादा गोल करने वाले नेमार अक्टूबर 2023 से अपने देश के लिए नहीं खेले हैं। वह उरुग्वे के खिलाफ वर्ल्ड कप क्वालीफायर के दौरान एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगने के बाद से टीम से बाहर हैं।

ऑल इंडिया काइट टूर्नामेंट में छाई अल्टीमेट काइट क्लब मुरादाबाद की टीम

एजेंसी

मुरादाबाद। दिल्ली के डीएनडी मैदान में आयोजित ऑल इंडिया काइट टूर्नामेंट में मुरादाबाद जिले की अल्टीमेट काइट क्लब मुरादाबाद की टीम ने अपनी पतंगबाजी का हुनर दिखाते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया अल्टीमेट काइट क्लब मुरादाबाद की टीम का नेतृत्व करने वाले शाहजेब अंसारी ने बताया कि ऑल इंडिया काइट टूर्नामेंट में देशभर से करीब 96 टीमों ने प्रतिभाग किया। मैच में मुरादाबाद के खिलाड़ियों ने मुकाबलों में लगातार बढ़त बनाकर पीतलनगरी का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता 31 मार्च से 7 मई तक आयोजित हुई, जिसमें अलग-अलग राज्यों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। इस दौरान जेन अली खान, शब्बू, राजा, आतिफ आदि मौजूद रहे।

डीसी पर जीत के साथ सातवें नंबर पर पहुंची केकेआर, डीसी अंकतालिका में कहां पहुंची?

एजेंसी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 का 51वां मुकाबला अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेला गया। डीसी का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा, और उसे 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही डीसी की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गई हैं। केकेआर ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीसी 8 विकेट पर मात्र 142 रन बना सकी। पाथुम निसांका 29 गेंदों पर 50 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहे। केकेआर ने 14.2 ओवर में 2 विकेट पर 147 रन बनाकर मैच 8 विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने अपना पहला आईपीएल शतक लगाया। वह 47 गेंदों पर 10 छक्कों की मदद से 100 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ कैमरन ग्रीन 27 गेंदों पर 33 रन बनाकर नाबाद रहे। डीसी और केकेआर मुकाबले के बाद अंकतालिका में बदलाव हुआ है। आइए उस पर नजर डालते हैं।

एसआरएच 11 मैचों में 7 जीत के साथ 14 अंक लेकर पहले स्थान पर है। पंजाब किंग्स 10 मैचों से 13 अंक लेकर दूसरे, आरसीबी 10 मैचों से 12 अंक लेकर तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 10 मैचों से 12 अंक लेकर चौथे और गुजरात टाइटंस 10 मैचों से 12 अंक लेकर पांचवें, चेन्नई सुपर किंग्स 10 मैचों से 10 अंक लेकर छठे स्थान पर है। डीसी पर जीत के बाद केकेआर सातवें स्थान पर है। केकेआर के अब 10 मैचों में 4 जीत और एक रद्द मैच से मिले 1 अंक को मिलाकर कुल 9 अंक हो गए हैं।

डीसी 11 मैचों से 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर चली गई है। मुंबई इंडियंस 10 मैचों से 6 अंक लेकर नौवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 10 मैचों से 6 अंक लेकर दसवें स्थान पर हैं। समान अंक के बावजूद टीमों की रैंकिंग में अंतर रन रेट की वजह से है। डीसी और केकेआर मुकाबले के बाद भी ऑरेंज और पर्पल कैप क्रमशः हेनरिक क्लासेन और भुवनेश्वर कुमार के पास ही है। सनराइजर्स हैदराबाद के क्लासेन ने सीजन के 11 मैचों की 11 पारियों में 494 रन बनाए हैं। आरसीबी के भुवनेश्वर ने 10 मैचों में 17 विकेट लिए हैं।

एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026: भारत ने लेबनान को 4-0 से रौंदा, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के करीब

एजेंसी

सूझोउ (चीन)। एएफसी अंडर-17 महिला एशियन कप 2026 में भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लेबनान को 4-0 से करारी शिकस्त दी और क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बेहद मजबूत कर लिया। खेले गए ग्रुप मुकाबले में भारतीय टीम ने दोनों हाफ में दो-दो गोल दागकर एकतरफा जीत दर्ज की।

भारत की ओर से प्रीतिका बर्मन ने दो गोल किए, जबकि अल्वा देवी सेनजाम और जोया ने एक-एक गोल दागा। इस शानदार जीत के साथ भारतीय टीम का गोल अंतर -1 हो गया है, जो ग्रुप सी की अन्य टीमों फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से काफी बेहतर है।

अब भारत की क्वार्टर फाइनल की उम्मीदें फिलीपींस और चीनी ताइपे के मुकाबले पर टिकी हैं। यदि इनमें से कोई भी टीम 12 या उससे अधिक गोल के बड़े अंतर से जीत दर्ज नहीं करती है, तो भारत पहली बार एशियन कप के अंतिम-8 में जगह बना लेगा।मैच में भारत ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। प्रीतिका बर्मन ने सातवें

मिनट में गोल कर टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। इसके बाद 36वें मिनट में अल्वा देवी सेनजाम ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया।

दूसरे हाफ में भी भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा जारी रहा। 72वें मिनट में जोया ने तीसरा गोल दागा, जबकि प्रीतिका बर्मन ने 85वें मिनट में अपना दूसरा और टीम का चौथा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। यदि भारतीय टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचती है तो उसका सामना 11 मई को सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए चीन से होगा।

आईपीएल में शतक लगाने वाले केकेआर के चौथे और न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज बने

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में शाम अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच खेले गए मुकाबले की सारी लाइमलाइट फिन एलन लूट ले गए। केकेआर के इस सलामी बल्लेबाज ने विस्फोटक शतक लगाते हुए न सिर्फ अपनी टीम को जीत दिलाई, बल्कि आईपीएल इतिहास में कोलकाता की तरफ से शतक लगाने वाले सिर्फ चौथे बल्लेबाज बने। आईपीएल में कोलकाता के किसी बल्लेबाज का यह सबसे तेज शतक भी है। दिल्ली कैपिटल्स ने केकेआर को जीत के लिए महज 143 रन का लक्ष्य दिया था और इसी छोटे से लक्ष्य में एलन ने शतक लगा दिया। 19वें सीजन में केकेआर की तरफ से चौथे और सबसे तेज शतक लगाने वाले एलन ने तीन अंकों में पहुंचने के लिए महज 47 गेंद खेली। एलन 47 गेंदों

पर 5 चौकों और 10 छक्कों की मदद से 100 रन पर नाबाद लौटे। आईपीएल में शतक लगाने वाले एलन न्यूजीलैंड के दूसरे बल्लेबाज हैं। पहले बल्लेबाज ब्रैंडन मैक्कुलम थे। मैक्कुलम के नाम आईपीएल में दो शतक हैं। एक शतक उन्होंने केकेआर की तरफ से खेलते हुए लगाया था।

केकेआर की तरफ से आईपीएल में सबसे पहला शतक ब्रैंडन मैक्कुलम ने लगाया था। यह शतक आईपीएल के पहले सीजन (2008) के पहले मैच में आया था। मैक्कुलम ने आरसीबी के खिलाफ खेलते हुए 73 गेंदों पर नाबाद 158 रन बनाए थे।

2008 के बाद केकेआर के लिए आईपीएल में शतक 2023 में आया था। यह शतक वेंकटेश अय्यर की तरफ से आया था। अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में 51 गेंदों पर 104 रन की पारी खेली थी।

आईपीएल 2024 में सुनील नरेन ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ कोलकाता में 56 गेंदों पर 109 रन की पारी खेली थी। नरेन केकेआर के लिए आईपीएल में शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने थे।

आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन में पहले दिन भारतीयों खिलाड़ियों का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एजेंसी

अल्माटी (कजाकिस्तान)। आईएसएसएफ विश्व कप शॉटगन प्रतियोगिता में भारत के शपथ भारद्वाज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष ट्रैप स्पर्धा के पहले दिन भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। असानोव शूटिंग क्लब में आयोजित प्रतियोगिता में शपथ ने 75 में से 71 निशाने साधे।

शपथ भारद्वाज ने दिन की शुरुआत लगातार दो परफेक्ट 25-25 की सीरीज के साथ की। हालांकि, तीसरी सीरीज में वह 21 अंक ही बना सके, जिसके कारण उनकी रैंकिंग थोड़ी नीचे खिसक गई। इसके बावजूद वह भारतीय खिलाड़ियों में सबसे आगे रहे। भारत के विवान कपूर ने भी दूसरी सीरीज में परफेक्ट 25 का स्कोर किया। उन्होंने पहली सीरीज में 22 और तीसरी में 23 अंक हासिल कर दिन का समापन 70 अंकों के साथ किया। अहवर रिज़वी ने 23, 22 और 23 के स्कोर के साथ कुल 68 अंक जुटाए। रैंकिंग अंक के लिए खेल रहे उदैवीर सिंह जैजी ने 71 और अली अमान इलाही ने 66 अंक बनाए। महिला ट्रैप स्पर्धा में मनीषा कीर भारत की सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज रहीं। उन्होंने शुरुआती दो सीरीज में लगातार 24-24 अंक हासिल किए, लेकिन तीसरी सीरीज में 21 निशाने ही साध सकीं। कुल 69 अंकों के साथ वह फिलहाल 17वें स्थान पर हैं। राष्ट्रीय चैंपियन नीरू ढांडा ने 23, 23 और 22 अंक हासिल कर कुल 68 स्कोर बनाया और 21वें स्थान पर रहीं। प्रगति दुबे ने 18, 23 और 24 के स्कोर के साथ कुल 65 अंक बनाए, जिससे वह 35वें स्थान पर हैं। रैंकिंग अंक के लिए खेल रहीं वर्षा वर्मन ने 61 और बिधि सिंह ने 62 अंक अर्जित किए। पुरुष और महिला दोनों ट्रैप स्पर्धाओं के बाकी 50 निशाने और फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे।

आईपीएल 2026: केकेआर से मिली हार के बाद निराश डीसी कप्तान अक्षर पटेल का ध्यान अब अगले सीजन पर

एजेंसी

नई दिल्ली । आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का निराशाजनक प्रदर्शन जारी है। डीसी अपने घरेलू मैदान अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 8 विकेट से हार गई। सीजन के 11वें मैच में डीसी की यह सातवीं हार थी। इस हार के साथ टीम के लिए प्लेऑफ में खेलने की उम्मीद लगभग समाप्त हो चुकी है। कप्तान अक्षर पटेल तो अगले सीजन की बात भी करने लगे हैं। मैच के बाद अक्षर पटेल ने कहा, 'टीम उम्मीद के मुताबिक रन नहीं बना सकी और स्पिन गेंदबाजों ने कई गलतियां कीं। पिच जिस तरह से व्यवहार कर रही थी, उसे

देखते हुए स्पिनरों को ज्यादा सटीक गेंदबाजी करनी चाहिए थी। हालांकि, मैच का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट टीम का दो-तीन ओवर के भीतर पांच विकेट गंवा देना रहा। वहीं से टीम का मोमेंटम पूरी तरह फिसल गया और विपक्षी टीम ने मुकाबले पर पकड़ बना ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले में भी टीम के साथ ऐसा ही हुआ था। उस मैच में भी शुरुआत अच्छी रही थी, लेकिन लगातार विकेट गिरने से टीम दबाव में आ गई थी।' उन्होंने कहा कि इस समस्या का हल तकनीकी से ज्यादा मानसिकता में बदलाव लाने से मिलेगा। जब वह और आशुतोष बल्लेबाजी कर रहे थे, तब दोनों यही सोच रहे थे कि अगर उन्होंने गलती की, तो नए बल्लेबाज के लिए हालात और मुश्किल हो जाएंगे। इसलिए जरूरी है कि विकेट गिरने के बाद बल्लेबाज थोड़ी देर क्रीज पर टिककर दबाव झेलें और साझेदारी बनाने की कोशिश करें।अक्षर ने कहा, 'आगे की तैयारियों से पहले टीम अपनी गलतियों का विश्लेषण करेगी। अभी सफर लंबा है और अगले सीजन की योजना भी बनानी होगी। टीम प्रबंधन बेंच पर बैठे खिलाड़ियों का भी आकलन करेगा और जरूरत पड़ने पर नए खिलाड़ियों को मौका देने तथा रणनीति में बदलाव पर विचार करेगा।' डीसी को इस सीजन में अपने घरेलू मैदान पर यह पांचवीं हार थी।

फीफा विश्व कप 2030 तक ब्राजील के कोच बने रहेंगे कार्लो एंसेलोटी

एजेंसी

साओ पाउलो। ब्राजील फुटबॉल टीम के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी को 2030 फीफा विश्व कप तक पद पर बनाए रखने की तैयारी पूरी हो चुकी है। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। इटली के दिग्गज कोच कार्लो एंसेलोटी ने पिछले वर्ष ब्राजील टीम की कमान संभाली थी। उनके मार्गदर्शन में पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने 2026 फीफा विश्व कप के लिए सफलतापूर्वक क्वालीफाई किया, जिसकी मेजबानी अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको संयुक्त रूप से करेंगे। 66 वर्षीय एंसेलोटी इससे पहले रियल मैड्रिड, एसी मिलान और चेल्सी जैसे बड़े क्लबों को कोचिंग दे चुके हैं। उनके मौजूदा अनुबंध को बढ़ाने को लेकर पिछले कई महीनों से सीबीएफ के साथ बातचीत चल रही थी।

सीबीएफ अध्यक्ष समीर शाउद ने फोर्टालेजा में आयोजित फुटप्रो एक्सपो सम्मेलन में कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि विश्व कप से पहले एंसेलोटी के नए अनुबंध की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।' उन्होंने बताया कि सीबीएफ और एंसेलोटी के कानूनी सलाहकार नए अनुबंध की शर्तों को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। एंसेलोटी भी कई बार यह संकेत दे चुके हैं कि वह 2026 विश्व कप के बाद भी ब्राजील टीम के साथ बने रहना

चाहते हैं। ब्राजील कोच 18 मई को रियो डी जनेरियो में विश्व कप के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा करेंगे। इसके बाद ब्राजील टीम 31 मई को माराकाना स्टेडियम में पनामा के खिलाफ विदाई मुकाबला खेलेगी। विश्व कप के दौरान ब्राजील टीम न्यू जर्सी में अपना बेस कैंप बनाएगी। ग्रुप-सी में उसका मुकाबला मोरक्को, स्कॉटलैंड और हैती से होगा।

IPL के बीच अर्शदीप सिंह को झटका, BCCI ने तेज गेंदबाज को दे दिया कड़ा आदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह से BCCI ने सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने को कहा है। यह विवाद उनके टीम के साथी युजवेंद्र चहल के एक फ्लाइट में कथित तौर पर ई-सिगरेट इस्तेमाल करने के मामले के बाद सामने आया है। अर्शदीप के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर तब बड़ा विवाद खड़ा हो गया जब सोशल मीडिया यूजर्स ने आरोप लगाया कि टीम के अहमदाबाद से हैदराबाद जाते समय चहल विमान के अंदर ई-सिगरेट का इस्तेमाल कर रहे थे। इस मामले पर न तो खिलाड़ी और न ही फ्रैंचाइजी ने टिप्पणी की है, लेकिन सूत्रों ने बताया कि BCCI ने अर्शदीप को टूर्नामेंट के बाकी बचे मैचों के दौरान व्लॉग पोस्ट करने से परहेज करने का निर्देश दिया है। यह पहली बार नहीं है जब IPL 2026 ई-सिगरेट विवाद की चपेट में आया है। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पर हाल ही में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट पीते कैमरे में पकड़े गए थे और उन पर मैच फीस का 25प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। इससे पहले BCCI ने 10 IPL फ्रैंचाइजियों के लिए 7 पन्नों की गाइडलाइंस जारी कीं, जिसमें उन्हें लीग के दौरान टारगेटेड हनी-ट्रैपिंग के संभावित खतरों के बारे में चेतावनी दी गई थी।

नजमुल हुसैन शांतो के शतक से बांग्लादेश मजबूत, पहले टेस्ट के पहले दिन पाकिस्तान पर बनाया दबाव

एजेंसी

मीरपुर। बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के शुरुआती दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 301 रन बनाकर मुकाबले में मजबूत पकड़ बना ली। कप्तान नजमुल हुसैन शांतो के बेहतरीन शतक और मोमिनुल हक के 91 रन की बदौलत मेजबान टीम ने पाकिस्तान के गेंदबाजों को पूरे दिन संघर्ष करने पर मजबूर कर दिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में पाकिस्तान के कप्तान शान मसूद ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। मीरपुर की पिच पर सामान्य से अधिक घास होने के कारण दोनों टीमों ने तीन-तीन तेज गेंदबाजों को मौका दिया। पाकिस्तान को शुरुआती सफलता भी मिली। शाहीन शाह अफरीदी ने महमूदुल हसन जॉय को आउट किया, जबकि हसन अली ने शादमान इस्लाम को पवेलियन भेज दिया। बांग्लादेश ने महज 31 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे और टीम दबाव में दिखाई दे रही थी। इसके बाद कप्तान नजमुल हुसैन शांतो और मोमिनुल हक ने पारी को

संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के गेंदबाजों की धार कुंद कर दी। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 170 रन की अहम साझेदारी हुई। मोमिनुल हक को पारी के दौरान जीवनदान भी मिला, जब स्लिप में सलमान आगा और पदार्पण कर रहे अब्दुल्ला फ़ज़ल के बीच से उनका कैच निकल गया।जैसे-जैसे पिच बल्लेबाजी के लिए आसान होती गई, दोनों खिलाड़ियों ने रन गति बढ़ाई। शांतो ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए शानदार कवर ड्राइव लगाए और सलमान आगा की गेंद पर दिन का पहला छक्का भी जड़ा। बांग्लादेश ने लंच से पहले 100 रन पूरे कर लिए थे। दोपहर के सत्र में शांतो पूरी तरह छाए रहे। उन्होंने नोमान अली के खिलाफ खुलकर बल्लेबाजी की और लगातार आकर्षक शॉट खेले। दूसरी ओर मोमिनुल ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए टीम को मजबूती दी। शांतो ने अपने टेस्ट करियर का नौवां शतक पूरा किया, लेकिन शतक के तुरंत बाद मोहम्मद अब्बास की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। शुरुआत में अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया था, लेकिन पाकिस्तान ने समीक्षा ली और फैसला पलट गया। शांतो ने 101 रन की शानदार पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। इसके बाद मुशफिकुर रहीम ने मोमिनुल के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। पाकिस्तान की गेंदबाजी और फील्डिंग दोनों ही कमजोर दिखाई दीं। टीम ने कुल 32 अतिरिक्त रन दिए, जिनमें 16 बाय भी शामिल रहे। नोमान अली ने आखिरकार मोमिनुल हक को 91 रन पर आउट कर बड़ी साझेदारी तोड़ी और उन्हें शतक से वंचित कर दिया। दिन का खेल समाप्त होने तक मुशफिकुर रहीम 48 रन और लिटन दास 8 रन बनाकर नाबाद लौटे।

संक्षिप्त स्कोर:

बांग्लादेश - 301/4 (नजमुल हुसैन शांतो 101, मोमिनुल हक 91)

पाकिस्तान - मोहम्मद अब्बास 1/51

अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी ने नीति आयोग के वाइस चेयरमैन का कार्यभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। जाने-माने अर्थशास्त्री अशोक कुमार लाहिड़ी ने नीति आयोग के वाइस चेयरमैन का पदभार संभाल लिया। लाहिड़ी ने सुमन बेरी की जगह ली है। आर्थिक नीति और सार्वजनिक वित्त के क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले अशोक कुमार लाहिड़ी भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार और पंद्रहवें वित्त आयोग के सदस्य के रूप में कार्य किया है। नीति आयोग ने अशोक कुमार लाहिड़ी का उपाध्यक्ष के रूप में स्वागत करते हुए कहा कि शिक्षा जगत, सार्वजनिक संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में उनका अनुभव, साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में नीति आयोग के प्रयासों को और अधिक सुदृढ़ करेगा। आयोग ने उनसे भारत के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों में रणनीतिक नीतिगत पहलों को समर्थन देने में योगदान की अपेक्षा की है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर

नई दिल्ली। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 01 मई को समाप्त हफ्ते के दौरान 7.79 अरब डॉलर घटकर 690.69 अरब डॉलर रहा। इससे पहले 24 अप्रैल को समाप्त हफ्ते के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 4.82 अरब डॉलर घटकर 698.49 अरब डॉलर रहा था।रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 01 मई को समाप्त हफ्ते में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.79 अरब डॉलर घटकर 551.82 अरब डॉलर रही। आरबीआई ने कहा कि इस दौरान उसके स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.02 अरब डॉलर घटकर 115.22 अरब डॉलर रहा। केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.79 अरब डॉलर हो गए। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 80 लाख डॉलर बढ़कर 4.86 अरब डॉलर रहा। उल्लेखनीय है कि इस साल 27 फरवरी को समाप्त हफ्ते के दौरान पश्चिम एशिया संघर्ष शुरू होने से पहले विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर अब तक के सबसे ऊंचे स्तर 728.49 अरब डॉलर पर पहुंच गया था।

भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के दौरान एमएसएमई सहयोग को बढ़ावा देने की तैयारी में

नई दिल्ली। ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने के दौरान भारत 2026 में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को नई दिशा देने की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही भारत ब्रिक्स पार्टनरशिप ऑन न्यू इंडस्ट्रियल रिवोल्यूशन (पार्ट एनआईआर) के तहत एमएसएमई सहयोग के लिए एक नए एजेंडे का भी नेतृत्व कर रहा है। भारत की अध्यक्षता के दौरान सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को तीन एसएमई कार्य समूह बैठकों और पहली ब्रिक्स एमएसएमई फोरम आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। पहली एसएमई कार्य समूह बैठक 24 अप्रैल को ऑनलाइन हुई, जिसका मुख्य विषय एमएसएमई के लिए वित्त तक पहुंच रहा। इस वेबिनार में ब्रिक्स सदस्य देशों ने सक्रिय भागीदारी की। यह मंच एमएसएमई वित्तपोषण से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर अनुभव और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के आदान-प्रदान का महत्वपूर्ण माध्यम बना। चर्चा के दौरान इस बात पर जोर दिया गया कि एमएसएमई आर्थिक वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास के प्रमुख आधार हैं। साथ ही समय पर और पर्याप्त ऋण उपलब्ध न होने जैसी लगातार बनी रहने वाली चुनौतियों को भी रेखांकित किया गया। बैठक में इस बात पर बल दिया गया कि ऋण अंतर को कम करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की जरूरत है। इसमें वित्तीय समावेशन बढ़ाना, वित्तीय साक्षरता में सुधार करना और एमएसएमई की ऋण क्षमता को मजबूत बनाना शामिल है।

सर रतन टाटा ट्रस्ट की बहुप्रतीक्षित बोर्ड बैठक रद्द, नई तारीख अभी तय नहीं

नई दिल्ली। सर रतन टाटा ट्रस्ट की प्रस्तावित बोर्ड की बैठक बिना कारण बताये रद्द कर दी गई है। बोर्ड की अगली बैठक की नई तारीख अभी तय नहीं की गई है। ट्रस्ट की प्रस्तावित बैठक में टाटा ट्रस्ट के प्रतिनिधियों को टाटा सन्स निदेशक मंडल में पुनः नामित करने जैसे मुद्दों पर चर्चा होनी थी। इस मामले से जुड़े लोगों ने यह जानकारी दी है। टाटा ट्रस्ट से इस संबंध में जानकारी हासिल करने के लिए प्रयास किया गया लेकिन उनकी ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। मामले से जुड़े एक व्यक्ति ने कहा, ''बैठक नहीं हुई। इसका कोई कारण नहीं बताया गया।'' टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन वर्तमान में टाटा सन्स के निदेशक मंडल में हैं। पिछले साल पूर्व रक्षा सचिव विजय सिंह ने टाटा सन्स बोर्ड से इस्तीफा दे दिया था। दो न्यासी वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह की सार्वजनिक रूप से टाटा सन्स को सूचीबद्ध करने की सिफारिश और नोएल टाटा के इसका विरोध करने की पृष्ठभूमि में शुक्रवार की यह बैठक होने वाली थी। टाटा ट्रस्ट के पास टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा सन्स में 23.6 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसका आकार 180 अरब डॉलर से अधिक है। टाटा ट्रस्ट के तहत आने वाले परमार्थ संस्थानों के न्यासियों के बीच यह मतभेद पिछले साल सामने आया था। न्यासियों की टाटा सन्स में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

किसानों को राहत दिलाने के लिए कृषि मंत्रालय ने नेफेड- एनसीसीएफ को खरीद के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली । । केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) दिलाने के लिए राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ)और राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी)को लक्ष्य आधारित खरीद के निर्देश दिए। इस विषय को लेकर कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ के साथ उपार्जन संबंधी उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

इस दौरान उन्होंने दोनों एजेंसियो को किसानों के हितों को देखते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां बाजार भाव एमएसपी से नीचे हैं, वहां किसानों से प्रभावी और समयबद्ध खरीद हर हाल में सुनिश्चित की जाए। चौहान ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किसान को उसकी उपज का

न्यायसंगत मूल्य दिलाना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस लक्ष्य में किसी भी स्तर की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में शिवराज सिंह ने कहा कि राज्यवार आवंटन के साथ-साथ जिला-स्तर पर उत्पादन, संभावित आवक और 25 प्रतिशत खरीद क्षमता का आकलन कर ठोस कार्ययोजना बनाई जाए ताकि उपार्जन का लक्ष्य वास्तविक जमीन पर हासिल हो सके। चौहान ने दलहन-तिलहन, विशेषकर चना, मसूर, उड़द और सरसों जैसी फसलों पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि जहां किसानों को एमएसपी से कम दाम मिल रहे हैं, वहां खरीद में तेजी लाना अनिवार्य है। उन्होंने अधिकारियों को राज्यों में वास्तविक बाजार भाव की ताजा जानकारी जुटाने के निर्देश दिए। चौहान ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य के निर्देश प्रक्रियाएं या स्थानीय प्रशासनिक अड़चनें किसानों से खरीद में बाधा बन रही हैं तो केंद्र सरकार सक्रिय समन्वय के जरिए उनका समाधान सुनिश्चित करेगी। चौहान ने कहा कि दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने का राष्ट्रीय लक्ष्य तभी सफल होगा, जब किसानों को यह भरोसा होगा कि जरूरत पड़ने पर उनकी उपज एमएसपी पर खरीदी जाएगी। चौहान ने नेफेड और एनसीसीएफ को निर्देशित किया कि वे उपार्जन को लेकर बेहतर काम करें, समस्याओं की सूची बनाकर समाधान सहित प्रस्तुत करें और शेष अवधि में खरीद प्रदर्शन में ठोस सुधार दिखाएं।

वैश्विक अंतरिक्ष परिवर्तन में भारत सबसे आगेः निधि खरे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत वैश्विक अंतरिक्ष बदलाव में सबसे आगे है और अंतरिक्ष उद्योग में नवाचार तथा निजी क्षेत्र की भागीदारी के एक प्रमुख केंद्र के रूप में लगातार उभर रहा है। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 'अंतरिक्ष प्रणालियों और संचालन' पर आयोजित बैठक के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने मानकों को आगे बढ़ाने में वैश्विक सहयोग के महत्व और अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष मानक इकोसिस्टम को आकार देने में भारत की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, भारत के लिए इस बैठक की मेजबानी करना अत्यंत गौरव का विषय है क्योंकि हम वैश्विक अंतरिक्ष परिवर्तन के अग्रणी के रूप में खड़े हैं। निधि खरे ने कहा कि महत्वपूर्ण सुधारों और आईएन-एसपीएसीई की स्थापना के माध्यम से भारत सरकार ने उभरते हुए अंतरिक्ष केंद्र की नींव रखी है, जहां स्टार्टअप और स्थापित उद्योग समान रूप से फल-फूल सकते हैं। इस तरह के वैश्विक सहयोग और विशेषज्ञता द्वारा विकसित मानक मानवता के लिए अंतरिक्ष को सुरक्षित, सतत और समावेशी बनाने में मदद करेंगे। इस अवसर पर भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक संजय गर्ग ने अंतरिक्ष क्षेत्र में गुणवत्ता, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने में मानकीकरण की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बीआईएस अंतरिक्ष उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए भारतीय मानकों को अंतरराष्ट्रीय ढांचों के अनुरूप बनाने की दिशा में काम कर रहा है।

रेनोल्ट ब्रिजर में आएगा 1.2 लीटर 3 सिलेंडर हाइब्रिड इंजन, मिलेगी शानदारी माइलेज

एजेंसी

नई दिल्ली। कार लवर्स के लिए अच्छी खबर है। रेनोल्ट ब्रिजर में 1.2 लीटर का 4-सिलेंडर इंजन होगा। लेकिन अब पता चला है कि इसके लिए एक अलग 1.2 लीटर हाइब्रिड इंजन पर भी काम चल रहा है। साधारण पेट्रोल इंजन के उलट, यह हाइब्रिड इंजन 3-सिलेंडर वाला होगा। यह मिलर साइकिल तकनीक पर काम करेगा। उम्मीद है कि इस इंजन में AVL के Hv2 कॉन्सेप्ट की तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

इंजन का डिजाइन और फायदाः

हाइब्रिड इंजन के लिए 3-सिलिंडर वाले लेआउट का चुनाव किया गया है जिससे इंजन कम जगह घेरे। इससे हाइब्रिड के अन्य पुर्जो को लगाने में आसानी होती है। इसमें मिलर साइकिल तकनीक का इस्तेमाल बेहतर कार्यक्षमता के लिए किया गया है। इस तकनीक से जो पावर कम होती है उसकी भरपाई इलेक्ट्रिक मोटर कर देती है। रेनोल्ट का लक्ष्य इस गाड़ी से अच्छा माइलेज हासिल करना है। इसके लिए कंपनी इंजन एक्सपर्ट AVL द्वारा हाल ही में

दिखाए गए हाई-एफिशिएंसी मॉडल की तकनीक को अपना सकती है। वियना मोटर सिम्पोजियम में दिखाए गए इस मॉडल को Dacia Duster में लगाकर टेस्ट किया गया था। कंपनी का दावा है कि यह तकनीक 3.3 लीटर पेट्रोल में 100 किमी तक चल सकती है।

इंजन की तकनीकः

AVL के अनुसार, यह कॉन्सेप्ट इंजन हॉर्स पावरट्रेन के Hv2 यूनिट पर आधारित है। इसे बढ़ाकर 1,200cc से थोड़ा ज्यादा किया गया है और इसमें बेहतर कार्यक्षमता पाने के लिए कई सुधार किए गए हैं। भारत में Renault इस इंजन की क्षमता को 1,200cc से कम ही रख सकती है। ऐसा इसलिए किया जाएगा जिसे ब्रिजर को छोटी कारों पर लगने वाले कम टैक्स का फायदा मिल सके। कंपनी इस लक्ष्य को पाने के लिए साधारण Hv2 3-सिलिंडर इंजन ब्लॉक का इस्तेमाल करते हुए उसमें Hv2 कॉन्सेप्ट की कुछ खास तकनीकों को शामिल कर सकती है।

एनएचएआई ने मध्यस्थता मामले में हासिल की बड़ी जीत, 174 करोड़ के दावे पर केवल 54 लाख रुपये का भुगतान

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने गुजरात में कामरेज-चलथान खंड (एनएच-48) के छह लेन परियोजना से जुड़े मध्यस्थता मामले में जीत हासिल की है। ठेकेदार द्वारा किए गए लगभग 174 करोड़ रुपये के दावों में से मध्यस्थ न्यायाधिकरण ने केवल 54 लाख रुपये का ही भुगतान करने का आदेश दिया।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि इस फैसले से सार्वजनिक धन की बड़ी बचत हुई है और एनएचएआई की अनुबंध प्रबंधन क्षमता तथा डिजिटल निगरानी प्रणाली की मजबूती सामने आई है। मामला 15 किलोमीटर लंबे कामरेज-चलथान खंड को चार लेन से छह लेन करने की परियोजना से जुड़ा था, जिसमें कामरेज-भरूच खंड पर चार ब्लैक स्पॉट्स के लिए दीर्घकालिक सुधारात्मक उपाय शामिल किए गए थे। परियोजना जून 2016 में एससीआईडब्ल्यू-यूनिक कंस्ट्रक्शन (जेवी) को इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) मोड में 241.41 करोड़ रुपये की लागत पर दी गई थी। काम को 21 मार्च 2017 को शुरू करने की घोषणा की गई। उस समय जब 87.75 प्रतिशत भूमि उपलब्ध थी। मंत्रालय ने बताया कि निर्माण के दौरान ठेकेदार ने भूमि संबंधी बाधाओं का हवाला दिया और धीमी प्रगति दिखाई। केवल सड़क और जल निकासी से जुड़े साधारण कार्य किए गए, जबकि प्रमुख संरचनाओं और फ्लाईओवरों का विकास नहीं किया गया। लगातार प्रदर्शन में कमी के कारण 11 मई 2020 को अनुबंध को आपसी सहमति से समाप्त कर दिया गया, उस समय परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 49.79 प्रतिशत थी। अनुबंध समाप्ति के समय दोनों पक्षों ने सभी दावों को निपटाने पर सहमति जताई थी और ठेकेदार ने भविष्य में कोई दावा न करने का वचन दिया था। इसके बावजूद, 2022 में ठेकेदार ने एनएचएआई के खिलाफ मध्यस्थता की कार्यवाही शुरू की और 174 करोड़ रुपये का दावा किया। एनएचएआई ने न्यायाधिकरण के समक्ष विस्तृत दस्तावेजी और डिजिटल साक्ष्य प्रस्तुत किए, जिनमें ड्रोन वीडियोग्राफी, डिजिटल परियोजना रिकॉर्ड और तकनीकी दस्तावेज शामिल थे। इनसे साबित हुआ कि छह लेन कार्यों के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध थी और जल निकासी का बड़ा हिस्सा पहले ही पूरा हो चुका था। साथ ही यह भी स्पष्ट हुआ कि ठेकेदार ने प्रमुख संरचनाओं और फ्लाईओवरों का निर्माण नहीं किया, जिससे अनुबंध समाप्त कर दिया गया। इसके बाद इसी साल 10 मार्च को दिए गए फैसले में न्यायाधिकरण ने लगभग सभी दावों को खारिज कर दिया और केवल 54 लाख रुपये का भुगतान ठेकेदार के पक्ष में किया।

एमजी मोटर की ईवी ने भारतीय बाजार में टॉप-3 में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत में इस समय इलेक्ट्रिक गाड़ियों का जबरदस्त क्रेज है। बाजार में लोग अन्य गाड़ियों के मुकाबले ईवी को लेना पसंद कर रहे हैं। केएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया इस क्षेत्र में एक बड़ी कंपनी बनकर उभरी है। कंपनी की इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री में लगातार बढ़त देखी गई है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बाजार में दूसरी कंपनियों से मुकाबला बढ़ने के बावजूद एमजी मोटर इंडिया ने अपनी रफ्तार को बनाए रखा है।

कैलेंडर वर्ष 2024 में JSW-MG ने कुल 28,882 यूनिट्स बेचीं। उस समय कंपनी के पास ZS EV, Comet और Windsor जैसे मॉडल थे। सितंबर 2024 में लॉन्च हुई Windsor की वजह से बिक्री में बड़ी बढ़त देखने को मिली थी। साल 2025 में JSW-MG की कुल बिक्री बढ़कर 61,171 यूनिट्स पहुंच गई जो पिछले साल के मुकाबले 111फीसदी की भारी बढ़त थी। साल 2025 के इन आंकड़ों में MG Select ब्रांड की गाड़ियां भी शामिल थीं। इसमें M9 और Cyberster 1,500 से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री हुई। ये दोनों ही मॉडल जुलाई 2025 में लॉन्च किए गए थे।

साल 2026 की शुरुआती बिक्रीः

साल 2026 के पहले चार महीनों में MG ने कुल 17,599 इलेक्ट्रिक गाड़ियां बेचीं। इनमें से लगभग 1,000 यूनिट्स MG Select ब्रांड के महंगे मॉडल्स की थीं। अगर इसकी तुलना 2025 के शुरुआत चार महीनों से करें तो इस साल की बिक्री में 9फीसदी को बढ़त हुई। आंकड़ों से पता चलता है कि समय के साथ M9 और Cyberster दोनों कारों की बिक्री और लोकप्रियता बढ़ी है। कुल मिलाकर कहें तो JSW MG Motor India के पास आम लोगों और लग्जरी सेगमेंट दोनों के लिए ही बेहतरीन प्रोडक्ट्स मौजूद हैं।

एमजी के मुख्य इलेक्ट्रिक मॉडल्सः

भारत में JSW-MG के पास मुख्य रूप से तीन इलेक्ट्रिक कारें हैं- Comet EV, Windsor EV और ZS EV। ये सभी ऐसी गाड़ियां है जिन्हें ग्राहक काफी पसंद कर रहे हैं। ष्टशद्वद्गह्ल EV उन लोगों के लिए है जो शहर में चलाने के लिए के लिए एक बजट-फ्रेंडली इलेक्ट्रिक कार चाहते हैं। इसकी एक्स-शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपए से 10.57 लाख रुपए के बीच है।

ईवी में एमजी की उपलब्धिः

भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में एमजी एक बड़ी पावर बनकर उभरी है। साल 2026 के पहले चार महीनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए कंपनी ने टॉप-3 खिलाड़ियों में अपनी जगह पक्की कर ली है। जनवरी और फरवरी की तुलना में मार्च और अप्रैल में MG की बिक्री बहुत तेजी से बढ़ी है। फरवरी में कंपनी ने 3,557 गाड़ियां बेची थीं जो मार्च में बढ़कर 5,550 यूनिट्स तक पहुंच गई। अब MG, TATA Motors के बाद दूसरे और तीसरे स्थान की रेस में मजबूती से खड़ी है।

भारत विमानों को पट्टे पर देने में एक प्रमुख केंद्र बनने का इच्छुकः राममोहन नायडू

एजेंसी

नई दिल्ली/गांधी नगर। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि भारत गिफ्ट सिटी (गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी) के इकोसिस्टम का लाभ उठाते हुए विमान लीजिंग और फाइनेंसिंग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में तेजी से अपनी जगह बना रहा है। केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने गांधीनगर में 'इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0' को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत विमानों को पट्टे पर देने वाले वैश्विक लीजिंग केंद्रों से प्रतिस्पर्धा करने के बजाय उनके पूरक के रूप में काम करते हुए मजबूत घरेलू परिवेश विकसित करने पर ध्यान दे रहा है। नायडू ने गिफ्ट सिटी में आयोजित 'इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0' के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का विमानन क्षेत्र तेज रफ्तार से बढ़ रहा है, यह न केवल देश बल्कि आसपास के क्षेत्र को भी सक्षम बना सकता है। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का लक्ष्य आयरलैंड, सिंगापुर और दुबई जैसे स्थापित केंद्रों के साथ सीधे तौर पर मुकाबला करने के बजाय, उनका पूरक बनना है।उन्होंने कहा, 'वैश्विक विमान पट्टा बाजार, खासकर भारत से जुड़े हिस्से का आकार इतना बड़ा है कि दुनिया की कई निजी कंपनियां इसका हिस्सा बन सकती हैं। वैश्विक स्तर पर बढ़ते परस्पर जुड़ाव के कारण विभिन्न क्षेत्रीय केंद्र विकसित हो सकते हैं। भारत भी इस क्षेत्र में एक मजबूत वैश्विक खिलाड़ी बनना चाहता है लेकिन इसके साथ हम मौजूदा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का पूरक भी बनना चाहते हैं।' नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएसए) और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के साथ मिलकर आज गिफ्टी सिटी, गांधीनगर, गुजरात में 'इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0' के दूसरे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

देश में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के बावजूद भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने नई दिल्ली में अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया की लगभग 20 फीसदी ऊर्जा हॉर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र से होकर गुज़रती है, जिससे यह भारत के लिए बेहद अहम हो जाता है। भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 40 फीसदी, एलपीजी का 90 फीसदी और प्राकृतिक गैस का 65 फीसदी हिस्सा मध्य-पूर्व से ही आयात करता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक कीमतों में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल की कीमत लगभग 70 डॉलर से बढ़कर लगभग 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जबकि एलपीजी की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। उन्होंने कहा कि तेल विपणन कंपनियों

को हो रहे नुकसान के बावजूद, भारत सरकार ने उत्पाद शुल्क में कटौती करके एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देकर और गैस की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करके उपभोक्ताओं को सुरक्षा प्रदान करने का काम किया है। सुजाता शर्मा ने बताया कि भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 94.77 रुपये प्रति लीटर बनी हुई हैं, जबकि जर्मनी, फ्रांस और यूके जैसे देशों में ये कीमतें लगभग 200 रुपये प्रति लीटर हैं। सरकार ने एलपीजी की निर्बाध आपूर्ति भी सुनिश्चित की है, जिससे किसी भी वितरक को किसी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत का संपर्क उच्चतम स्तर पर जारी है। विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की यूएई यात्राओं के बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने 7 मई, 2026 को संयुक्त अरब अमीरात का दौरा किया। भारत ने कतर और सऊदी अरब सहित अन्य खाड़ी साझेदारों के साथ भी संपर्क बनाए रखा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान विदेश सचिव ने यूएई की राज्य मंत्री और भारत के लिए विशेष दूत, रीम अल हाशिमी के साथ बातचीत की और खलदून अल मुबारक से मुलाकात की। चर्चाओं का मुख्य केंद्र व्यापार, निवेश, रक्षा, फिनटेक, स्वास्थ्य सेवा और पश्चिम एशिया में क्षेत्रीय घटनाक्रम रहे। जायसवाल ने कहा कि उन्होंने मार्टिन ब्रिएन्स के साथ भारत-फ्रांस-यूएई त्रिपक्षीय बैठक में भी भाग लिया, जहां तीनों पक्षो ने अपनी साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और निर्धारित समय-सीमाओं के साथ एक व्यवस्थित रूपरेखा पर सहमति व्यक्त की। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने कहा कि बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय, नाविकों के कल्याण और समुद्री संचालन में कोई रुकावट न आए, यह सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय, भारतीय मिशनों और समुद्री क्षेत्र से जुड़े लोगों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन, जी. सर्जीवियर और होटल पोलो टावर्स सहित 3 कंपनियों को आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड, जी. सर्जीवियर लिमिटेड और होटल पोलो टावर्स सहित 3 कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए पूंजी जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी मिल गई है। पूंजी बाजार नियामक से प्राप्त जानकारी के अनुसार अन्य जिन कंपनियों को मंजूरी मिली है, उनमें क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड, जी. सर्जीवियर लिमिटेड और होटल पोलो टावर्स शामिल है। इन सभी कंपनियों ने अक्टूबर से फरवरी के बीच अपने आईपीओ लाने के लिए प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए थे और उन्हें 4 से आठ मई के बीच सेबी की टिप्पणियां प्राप्त हुईं। सेबी की भाषा में टिप्पणियां मिलना सार्वजनिक निर्गम लाने की मंजूरी है।

नई दिल्ली स्थित क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए पूंजी बाज़ार नियामक, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने 17 दिसंबर 2025 को सेबी के पास अपने आईपीओ के दस्तावेज जमा किए थे। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का यह आईपीओ 600 करोड़ रुपये तक का एक नया इश्यू है और प्रमोटरों नंद किशोर अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल और कोमल अग्रवाल द्वारा 7,405,387 शेयरों तक की बिक्री का प्रस्ताव है। अन्य विक्रेता निवेशक शेयरधारक इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्पोरेशन और आईएफसी इमर्जिंग एशिया फंड, एलपी हैं। 1994 में स्थापित यह कंपनी एक फसल समाधान कंपनी है, जिसके मुख्य उत्पादों में एग्रोकेमिकल्स और बीज शामिल हैं। इसके अलावा विविध पोर्टफोलियो में फसल सुरक्षा के लिए उत्पाद, जैसे खरपतवारनाशक, फफूंदीनाशक, कीटनाशक और प्राकृतिक फसल समाधान, जैसे बायो-स्टिमुलेंट्स, बायो-प्रोटेक्टेंट्स, पौधों के विकास नियामक, तरल उर्वरक और सूक्ष्म पोषक तत्व शामिल हैं। साथ ही इसमें खेत की फसलें, सब्ज़ियों की फसलें और फूलों के बीज भी शामिल हैं। उत्तर प्रदेश स्थित जी. सर्जीवियर लिमिटेड कंपनी को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से अंतिम मंजूरी मिल गई है।

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन लाल निशान पर हुआ बंद, सेंसेक्स 516 अंक लुढ़का

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। निवेशकों की धारणा कमजोर पड़ने से घरेलू बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट रही। सेंसेक्स करीब 516 अंक टूटकर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में 150 अंक की गिरावट आई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 516.34 अंक यानी 0.66 फीसदी गिरकर 77,328.19 के स्तर पर हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 698.09 अंक तक फिसल गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 150.50 अंक यानी 0.62 फीसदी फिसलकर 24,176.15 अंक पर आ गया। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के शेयर में मार्च तिमाही नतीजों के बाद 6.62 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट और महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर भी नुकसान में रहे। हालांकि, टाइटन के शेयर अनुकूल तिमाही नतीजों के बाद 4.76 फीसदी चढ़ गया। इसके साथ एशियन पेंट्स, अडाणी पोर्ट्स, इंफोसिस और एचसीएल टेक के शेयरों में भी तेजी रही।

बिहार में निवेश और व्यापार सुधारों पर मंथन, डीरेगुलेशन 2.0 को मिशन मोड में लागू करने के निर्देश

एजेंसी

पटना। पटना स्थित मुख्य सचिवालय सभाकक्ष में केंद्र सरकार के कैबिनेट सचिवालय के विशेष सचिव केके पाठक और बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत की संयुक्त अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में निवेश को बढ़ावा देने, व्यापार सुगमता में सुधार और पुराने व अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त करने के उद्देश्य से 'वि-विनियमन (डीरेगुलेशन) 1.0 एवं 2.0' की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में विशेष सचिव केके पाठक ने सभी विभागों को निर्देश दिया कि वे अपने कार्यक्षेत्र में अनावश्यक अनुपालन बोझ को कम करें और 'डीरेगुलेशन 2.0' के तहत चिन्हित सुधारों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा करें। बैठक के दौरान बुनियादी ढांचे के विकास में सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्थिरता पर राष्ट्रीय भवन संहिता (नेशनल बिल्डिंग कोड ऑन सस्टेनेबिलिटी) (एनबीसीएस) 2026 के नए मानकों को राज्य के बिल्डिंग बाई-लॉज में शामिल करने पर भी विस्तृत चर्चा हुई। राज्य में शहरी नियोजन को आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) नियमों को तर्कसंगत बनाने तथा सरकारी संपत्तियों के बेहतर

प्रबंधन के लिए संपूर्ण सुविधा प्रबंधन (टोटल फैसिलिटी मैनेजमेंट) (टीएफएम) मॉडल अपनाने के निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान केके पाठक ने अधिकारियों से कहा कि विभाग ऐसे सभी नियमों, रिटर्न और रजिस्टरों की सूची तैयार करें जिन्हें समाप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अनावश्यक नियम निवेश और उद्योग के विकास में बाधा बनता है।

उन्होंने निर्देश दिया कि 'डीरेगुलेशन 2.0' के अंतर्गत लंबित सभी कार्यों को अगले 15 कार्य दिवसों के भीतर पूरा कर पोर्टल पर अपलोड किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

विशेष सचिव ने यह भी कहा कि व्यावसायिक कानूनों के तहत छोटी तकनीकी चूकों के लिए कारावास जैसे कठोर प्रावधानों को हटाकर उन्हें आर्थिक दंड में बदलने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। साथ ही यदि कोई सुधार एक से अधिक विभागों से जुड़ा हो तो कैबिनेट सचिवालय विभाग समन्वय की भूमिका निभाए, ताकि फाइलों के निपटारे में देरी न हो। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी विभागीय नोडल अधिकारी प्रत्येक अपनी प्रगति रिपोर्ट कैबिनेट सचिवालय को उपलब्ध कराएं, जिसकी समीक्षा सीधे मुख्य सचिव कार्यालय द्वारा की जाएगी। केके पाठक ने बिहार सरकार द्वारा अब तक किए गए सुधारात्मक प्रयासों पर संतोष व्यक्त किया और राज्य को राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने इस मौके पर विभागों को निर्देश दिया कि सभी स्वीकृतियों के लिए 'सिंगल विंडो सिस्टम' और 'स्व-प्रमाणीकरण' व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किया जाए, ताकि प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़े और मानवीय हस्तक्षेप न्यूनतम हो सके। उन्होंने सभी विभागों को 'मिशन मोड' में काम करने का निर्देश दिया। बैठक में वित्त, उद्योग, नगर विकास, भवन निर्माण तथा अन्य संबंधित विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, सचिव और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नेपाल के नए प्रधान न्यायाधीश की सिफारिश का विरोध, कोर्ट की सुनवाई पर भी दिखा असर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के सर्वोच्च अदालत में वरीयता को दरकिनार करते हुए की गई प्रधान न्यायाधीश की सिफारिश का असर आज सुनवाई में दिखने को मिला है। आज हुई फुल कोर्ट बैठक के चलते दैनिक पेशी के सूची पूर्व निर्धारित समय से लगभग दो घंटे देर से सार्वजनिक हो पाई। प्रस्तावित प्रधान न्यायाधीश को आज सुनवाई से अलग रखा गया, जबकि कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश ने खुद को पेशी से अलग कर लिया। सर्वोच्च अदालत में 14 बेंच निर्धारित की गई, लेकिन कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल और प्रधान न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश किए गए न्यायाधीश डॉ. मनोज कुमार शर्मा किसी भी इजलास में शामिल नहीं हुए। इसी तरह, एक अन्य न्यायाधीश तिलप्रसाद श्रेष्ठ भी आज की इजलास में मौजूद नहीं हैं। बाकी 15 न्यायाधीशों की इजलास का गठन किया गया है। संवैधानिक परिषद ने डॉ. शर्मा को प्रधान न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश करने का निर्णय लिया था। कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश मल्ल वरिष्ठता क्रम में पहले स्थान पर थे, लेकिन इसके बावजूद संवैधानिक परिषद् ने चौथे क्रम के शर्मा को चुना। आज हुई फुल कोर्ट बैठक में न्यायाधीशों ने संवैधानिक परिषद् की सिफारिश को लेकर अपने विचार रखे।

नेपाली सेना ने चीन सटे मुस्तांग में अभ्यास शुरू किया

काठमांडू। नेपाल की सेना ने चीन से सटे मुस्तांग जिले के जोमसोम में आज से दो दिवसीय 'हाई एल्टीट्यूड सर्च एंड रेस्क्यू' अभ्यास शुरू किया है। सेना के अनुसार, इस प्रशिक्षण का उद्देश्य उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी, अत्यधिक ठंड और भौगोलिक दुर्गमता के कारण होने वाले जोखिम और दुर्घटनाओं को कम करना तथा कठिन भू-भाग में खोज और बचाव अभियान को सुदृढ़ बनाना है। इस अभ्यास में 55 से अधिक सेना के जवान भाग ले रहे हैं, जिनमें मुस्तांग, मनांग जिले के भैरवी दल गुल्म की चार टुकड़ियां, इन्द्र बक्स गण और मिलिट्री हाई स्कूल कैलाश के प्रशिक्षु शामिल हैं। इन्द्र बक्स गण के प्रमुख मेजर जनरल गौरव ध्वज खांड ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य उच्च हिमालयी क्षेत्रों में बचाव अभियान चलाने के लिए नेपाली सेना की तकनीकी दक्षता और संचालन क्षमता को बढ़ाना है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण में ग्लेशियर, पहाड़ी खाइयों और हिमस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में फंसे ट्रेकर्स और यात्रियों के बचाव के तरीके शामिल हैं। आज प्रतिभागियों को गण मुख्यालय के पास एक विशाल चट्टानी पहाड़ी पर रस्सियों की मदद से मॉडल रॉक क्लाइम्बिंग अभ्यास कराया जाएगा। शनिवार को घरपझोंग स्थित मिलिट्री हाईस्कूल के पास लगभग 4,000 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर रेस्क्यू अभियान पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल की 33वीं बटालियन और जिला प्रहरी कार्यालय, मुस्तांग के प्रतिनिधि भी आज के उद्घाटन कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

नेपाल सरकार ने विदेशों से 15 अवैतनिक महावाणिज्य दूत हटाने का फैसला लिया

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के नेतृत्व वाली सरकार ने विदेशों में तैनात 15 मानद महावाणिज्यदूतों और मानद वाणिज्यदूतों को हटाने का निर्णय लिया है। यह निर्णय सुबह सिंहदरबार में हुई मंत्रिपरिषद् की बैठक में लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि विदेश मंत्रालय के प्रस्ताव पर विभिन्न देशों में कार्यरत 15 मानद कूटनीतिक प्रतिनिधियों को पदमुक्त करने का फैसला लिया गया है। इनमें जापान, जॉर्डन, मलेशिया, मंगोलिया, हांगकांग, पाकिस्तान, फिलीपींस, केन्या, जर्मनी, नीदरलैंड, नार्वे, स्पेन सहित कुछ अन्य यूरोपीय देश शामिल हैं। मंत्रिपरिषद् बैठक ने यह भी निर्णय लिया कि 11 मई को शाम 4 बजे होने वाले संघीय संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के लिए राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल से अनुरोध किया जाएगा।

नेपाल में पोखरा की फेवा झील में फंसे पांच भारतीय पर्यटकों को बचाया गया

काठमांडू। नेपाल के पर्यटकीय स्थल पोखरा स्थित फेवा झील में आज सुबह अचानक आई तेज आंधी और ऊंची लहरों के कारण नाव में फंसे पांच भारतीय पर्यटकों को सशस्त्र पुलिस बल ने सुरक्षित बचा लिया। पोखरा के पुम्दीभुम्दी स्थित लेकहाउस के पास फेवा झील में लकड़ी की नाव से सैर कर रहे भारतीय पर्यटक सुबह आई तेज आंधी की चपेट में आ गए थे। ये सभी पर्यटक फेवा झील के बीच में रहे मंदिर में दर्शन करने जा रहे थे। बचाए गए लोगों में ललिता केम्बागी, यल्लेशा, प्रवीना काले, भास्कर यल्लेश काले और निलकांक्षा शामिल हैं। भारतीय पर्यटकों के संकट में होने की सूचना मिलते ही फेवा झील के 'वॉच एंड रेस्क्यू टावर' से सशस्त्र प्रहरी सहायक निरीक्षक देवेन्द्र केसी के नेतृत्व में तत्काल एक टीम रवाना की गई। सशस्त्र पुलिस की आपदा प्रबंधन टीम ने सभी को सुरक्षित रूप से झील से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

ईरान से संदेश की उम्मीद और युद्धविराम पर नजर, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान में जारी तनाव के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उन्हें तेहरान से आज रात मैसेज मिलने की उम्मीद है। दोनों देशों के बीच परमाणु बातचीत की रफ्तार को लेकर सवाल बने हुए हैं। वहीं, उन्होंने उम्मीद जताई कि रूस-यूक्रेन के बीच सीमित अवधि के सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है। व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में मरीन वन में सवार होने से पहले ट्रंप ने मीडिया से कहा, 'मुझे आज रात एक लेटर मिलने वाला है। देखते हैं क्या होता है।' जब उनसे पूछा गया कि क्या तेहरान जानबूझकर प्रक्रिया को धीमा कर रहा है, तो उन्होंने कहा, 'हमें जल्द ही पता चल जाएगा।' राष्ट्रपति ने संकेत दिया कि अगर बातचीत में रुकावट आती है तो वाशिंगटन अपना रुख और सख्त कर सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक नहीं हुआ, तो हम दूसरा रास्ता अपनाएंगे। अगर चीजें नहीं हुईं तो हम प्रोजेक्ट फ्रीडम पर वापस जा सकते हैं, लेकिन यह प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस होगा। मतलब, प्रोजेक्ट फ्रीडम प्लस में दूसरी चीजें भी होंगी।' ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद की सबसे बुरी घटनाओं में से एक बताया और कहा कि वह मौजूदा सीमित सीजफायर को बढ़ाने का स्वागत करेंगे। जब उनसे पूछा गया कि क्या लड़ाई में विराम तीन दिनों से ज्यादा समय तक रह सकता है, तो उन्होंने कहा, 'हो सकता है। यह अच्छा होगा। मैं इसे रुकते हुए देखना चाहूंगा।' राष्ट्रपति ने उन बातों का भी जिक्र किया जिन्हें उन्होंने मजबूत घरेलू आर्थिक संकेतक बताया। उन्होंने कहा, 'आज हमारे पास इस देश में पहले से कहीं ज्यादा लोग काम कर रहे हैं। आज नौकरियों के आंकड़े जबरदस्त थे।' पब्लिक हेल्थ के मुद्दे पर ट्रंप ने हंता वायरस के मामलों को लेकर चिंताओं पर भरोसा दिलाने की कोशिश की और कहा कि अधिकारी स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि हमने चीजों को काफी हद तक नियंत्रण में कर लिया है। वे उस वायरस को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। यह लंबे समय से मौजूद है। कोविड की तरह यह आसानी से फैलता नहीं है। देखते हैं। हम इस पर बहुत करीब से अध्ययन कर रहे हैं। डॉ. मार्टी मकारी से जुड़ी रिपोर्ट्स के बारे में अलग से पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, 'मैं इसके बारे में पढ़ रहा हू, लेकिन मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता।'

नेपाल में बस्तियां खाली कराए जाने का विरोध, देश भर में भूमिहीनों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के बाद देशभर के भूमिहीन लोग सड़क पर उतर आए हैं। काठमांडू की 16 बस्तियों से नौ दिनों में 15 हजार से अधिक लोग विस्थापित किये जा चुके हैं। सरकारी और सार्वजनिक जमीन पर बने अनधिकृत ढांचों को हटाने के लिए जारी 35 दिन की नोटिस के विरोध में लोग आंदोलन कर रहे हैं। काठमांडू से नौ दिन पहले शुरू हुआ बस्ती खाली कराने का अभियान अब पूरे देश में चलाने की तैयारी है। बिना वैकल्पिक व्यवस्था के बस्तियां खाली कराए जाने के विरोध में भूमिहीन तथा अव्यवस्थित लोगों ने बुटवल में सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि सरकार पहले वास्तविक भूमिहीन और अव्यवस्थित बसोबासियों की पहचान करे और पिछली सरकारों के दौरान भूमि आयोग की तय व्यवस्था के अनुसार उन्हें व्यवस्थित कर लालपुर्जा (मालिकाना प्रमाणपत्र) उपलब्ध कराए। भूमिहीन संघर्ष समिति के संयोजक खगेन्द्र पौडेल ने कहा कि सरकार ने बिना किसी तैयारी और विकल्प के डोजर चलाकर लोगों में आतंक फैलाया है। आज ही मकवानपुर जिले के हेटौंडा में भी संवैधानिक और मानवाधिकार अधिकारों की रक्षा की मांग को लेकर सुकुमबासियों ने सड़क पर प्रदर्शन किया। धाना भर्याङ से शुरू हुई रैली के प्रतिभागियों ने प्रमुख जिला अधिकारी और हेटौंडा के मेयर को ज्ञापन पत्र सौंपा। इसी तरह बर्दिया जिला मुख्यालय गुलरिया में भूमिहीन, मुक्त कमैया और अव्यवस्थित बसोबासियों ने प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि प्रदेश के वन मंत्रालय ने 15 दिन की नोटिस जारी कर लोगों को उजाड़ने की कोशिश की है।

यूएई ने ईरान से दागी गई मिसाइल और ड्रोन रोकने का किया दावा, तीन लोग घायल

एजेंसी

अबू धाबी। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने एक बार फिर उसके क्षेत्र पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन (यूएवी) दागे हैं। मंत्रालय ने इस हमले की निंदा करते हुए बताया कि यूएई की एयर डिफेंस सिस्टम ने ईरान से दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों और तीन ड्रोन को रोक दिया। मंत्रालय के अनुसार, इस हमले में तीन लोगों को चोटें आई हैं। इससे पहले इस हफ्ते यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि ईरान के हमले में नागरिक इलाकों और सुविधाओं पर हुए हमले के कारण तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए थे। यूएई ने ईरान की इन कार्रवाइयों को 'अस्वीकार्य आक्रामकता' बताया और कहा कि यह देश की सुरक्षा, स्थिरता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सीधा खतरा है। यूएई ने यह भी कहा कि ये हमले अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों का उल्लंघन हैं।

फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, मंगलवार को ईरान के मुख्य सैन्य

कमांड 'खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर' ने कहा था कि हाल के दिनों में उसके सशस्त्र बलों ने यूएई पर कोई मिसाइल या ड्रोन हमला नहीं किया है। मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने कहा कि अगर ईरान ने ऐसा कोई कदम उठाया होता, तो वह इसे 'स्पष्ट और सीधे तौर पर घोषित' करता। समाचार एजेंसी के अनुसार, उन्होंने यूएई के उस दावे को भी खारिज कर दिया, जिसमें ईरान पर ड्रोन और मिसाइल हमले का आरोप लगाया गया था। साथ ही उन्होंने यूएई के अधिकारियों से कहा कि वे अपने देश को अमेरिका और इजरायल की ओर से बिछाए गए जाल में न फंसने दें।

दुनिया के कई देशों जापान, आयरलैंड, ऑस्ट्रिया, सऊदी अरब और जॉर्डन ने भी मंगलवार को ईरान के यूएई पर किए गए हमले की निंदा की। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि इस हमले में तीन भारतीय नागरिक घायल हुए हैं और इसे 'अस्वीकार्य' बताया। मंत्रालय ने कहा कि भारत खाड़ी क्षेत्र में स्थिति को शांत करने के लिए बातचीत और कूटनीति का समर्थन करता है, ताकि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता बहाल हो सके।

ईरान का दावाः अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास जहाजों और नागरिक इलाकों पर किया हमला

एजेंसी

तेहरान। ईरान की मुख्य सैन्य कमान खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर्स ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के पास दो ईरानी जहाजों पर हमला किया। साथ ही, कुछ क्षेत्रीय देशों के सहयोग से दक्षिणी ईरान के नागरिक इलाकों में हवाई हमले भी किए गए। ईरानी मीडिया के मुताबिक, मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम जोल्फागरी ने कहा कि अमेरिकी सेना की यह 'आक्रामक' कार्रवाई ईरान और अमेरिका के बीच हुए युद्धविराम का उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि निशाना बनाए गए जहाजों में एक तेल टैंकर था, जो जस्क के पास ईरानी समुद्री सीमा से होर्मुज स्ट्रेट की ओर जा रहा था। दूसरा जहाज संयुक्त अरब अमीरात के फुजैराह के पास इस जलमार्ग में प्रवेश कर रहा था।

जोल्फागरी ने कहा कि जिन नागरिक इलाकों पर हमला हुआ उनमें होर्मोज़गान प्रांत के बंदर-ए-खमीर और सिरिक शामिल हैं।

उन्होंने दावा किया कि इसके जवाब में ईरानी सेना ने तुरंत कार्रवाई करते हुए होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से और चाबहार बंदरगाह के दक्षिण में मौजूद अमेरिकी सैन्य जहाजों पर हमला किया, जिससे उन्हें भारी नुकसान पहुंचा।

उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई का ईरान बिना हिचकिचाहट 'करारा जवाब' देगा। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) नेवी ने शुक्रवार तड़के कहा कि ईरानी बलों ने बैलिस्टिक मिसाइलों, एंटी-शिप क्रूज मिसाइलों और विस्फोटक ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए अमेरिकी डेस्ट्रॉयर जहाजों पर 'बड़े और बेहद सटीक संयुक्त ऑपरेशन' को अंजाम दिया।

आईआरजीसी ने दावा किया कि शुरुआती खुफिया जानकारी के मुताबिक, अमेरिकी जहाजों को 'काफी नुकसान' हुआ, जिसके बाद तीन अमेरिकी डेस्ट्रॉयर जहाजों को होर्मुज क्षेत्र से पीछे हटना पड़ा।

वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बयान जारी कर कहा कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 'बिना उकसावे वाले हमलों' को रोका और आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। यह कार्रवाई तब हुई जब अमेरिकी नौसेना के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे थे।

सेंटकॉम ने यह भी कहा कि अमेरिका तनाव बढ़ाना नहीं चाहता, लेकिन अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले तीन अमेरिकी डेस्ट्रॉयर जहाजों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

व्हाइट हाउस में मनाया गया मदर्स डे : ट्रंप ने शोक संतप्त माताओं को किया सम्मानित, फैमिली पॉलिसी पर दिया जोर

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मदर्स डे से पहले व्हाइट हाउस में आयोजित एक कार्यक्रम में शोक संतप्त माताओं को सम्मान दिया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति ने सीमा सुरक्षा, ड्रग नियंत्रण और परिवार-केंद्रित नीतियों पर अपनी सरकार के रिकॉर्ड पर भी प्रकाश डाला। रोज गार्डन में बोलते हुए ट्रंप ने एंजल मॉम्स और गोल्ड स्टार मॉम्स को संबोधित किया। उन्होंने उन्हें बेहद खास बताया और उनकी पीड़ा को स्वीकार किया। उन्होंने कहा, 'लाखों अमेरिकी परिवारों के लिए रविवार प्यार, आभार और खुशी से भरा होगा। वैसे, मेरी मां बहुत अच्छी थीं।' राष्ट्रपति ने कहा कि वहां मौजूद कई माताएं अपने बच्चों के लिए हर परिस्थिति में खड़ी रहीं, चाहे वह सामान्य जीवन हो या बेहद कठिन समय। राष्ट्रपति ट्रंप ने उनके दर्द को अपनी इमिग्रेशन नीति से जोड़ते हुए कहा कि कुछ माताओं ने ओपन बॉर्डर पॉलिसी की वजह से अपने प्रिय बच्चों को खो दिया। उन्होंने आगे कहा, 'इन बेहद बहादुर और साहसी महिलाओं ने भयानक त्रासदी को भी मजबूत संकल्प में बदल दिया है।'

ट्रंप ने कहा, 'हमने अपने देश के इतिहास की सबसे खराब और खतरनाक सीमा स्थिति को तेजी से अमेरिकी इतिहास की सबसे मजबूत सीमा व्यवस्था में बदल दिया है। पिछले 11 महीनों में हमारे यहां गैर-कानूनी प्रवेश लगभग ना के बराबर हुए हैं।' उन्होंने सीमा सुरक्षा को ड्रग्स की रोकथाम से भी जोड़ा। ट्रंप ने कहा, 'हमारी सीमाओं पर जानलेवा फेंटानिल की तस्करी 59 फीसदी कम हो गई है और समुद्री रास्तों से आने वाली ड्रग्स 97 फीसदी घट गई हैं। जमीनी रास्तों पर रोकथाम की कोशिशें भी और मजबूत होंगी।'

इस कार्यक्रम में ट्रंप ने मैरी एन मेंडोजा, टैमी नोबल्स और जैकलीन मेडिना समेत कई मांओं का नाम लेकर उनका उल्लेख किया और कहा, 'आप जिस दौर से गुजर रही हैं, वह बेहद दुखद है।'

उन्होंने मरीन कैप्टन जेसी मेल्टन की कहानी याद करते हुए गोल्ड स्टार परिवारों को भी श्रद्धांजलि दी और कहा, 'जेसी ने हमारे देश के लिए अपनी जान दे दी। आपके महान बेटों जैसे लोगों की वजह से ही अमेरिका आज एक मजबूत और आजाद देश है।'

राष्ट्रपति ने अफगानिस्तान में एबी गेट हमले को लेकर पिछली सरकार की आलोचना करते हुए इसे बेहद बड़ी विफलता बताया।

ट्रंप ने परिवारों के लिए बनाई गई कानूनी और नीतिगत पहलों पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़ी टैक्स कटौती लागू की और चाइल्ड टैक्स क्रेडिट को 2,200 डॉलर तक बढ़ाया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार हर अमेरिकी नवजात बच्चे के लिए निवेश के उद्देश्य से अपने आप 1,000 डॉलर दे रही है।

स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, 'हमने फेवर्ड नेशन्स नीति के जरिए दवाओं की कीमतें कम कर दी हैं। हमने उन्हें 50, 60 और 70 फीसदी तक घटाया है।' ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका में अब दुनिया की सबसे कम दवा कीमतें हैं।

उन्होंने आईवीएफ की कीमत कम करके और रेगुलेटरी रुकावटों को कम करके परिवार शुरू करना पहले से कहीं ज्यादा आसान बनाने की कोशिशों के बारे में भी बताया। अपनी बात खत्म करते हुए, ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका की माताएं हमारे देश का भविष्य बना रही हैं। मैं बस आप सभी को मदर्स डे की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देना चाहता हूं।

नेपाल में प्रधान न्यायाधीश के लिए मनोज शर्मा के नाम की सिफारिश के खिलाफ रिट दायर

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के संवैधानिक परिषद द्वारा चौथे वरीयता क्रम के डॉ. मनोज कुमार शर्मा की सिफारिश प्रधान न्यायाधीश पद के लिए करने के निर्णय के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में रिट दायर की गई है। वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी और अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल ने कोउच्चतम न्यायालय में अलग-अलग रिट दायर की है। वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि शक्ति पृथक्करण के सिद्धांत के विपरीत प्रधान न्यायाधीश की सिफारिश किए जाने के कारण रिट दायर की गई है। इसी तरह अधिवक्ता युवराज ढकाल ने भी उच्चतम न्यायालय में रिट दायर की है। उनका भी कहना है कि प्रधान न्यायाधीश पद के लिए डॉ. शर्मा की सिफारिश विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत है। रिट में राष्ट्रपति कार्यालय, संवैधानिक परिषद् के अध्यक्ष बालेन्द्र शाह, संवैधानिक परिषद्, संसदीय सुनवाई समिति और प्रधान न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश किए गए डॉ. शर्मा को प्रतिवादी बनाया गया है। संवैधानिक परिषद् ने गुरुवार को डॉ. कुमार शर्मा को प्रधान न्यायाधीश पद के लिए सिफारिश करने का निर्णय लिया था। प्रथम वरीयता पर कार्यवाहक प्रधान न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, दूसरे वरीयता क्रम के कुमार रेग्मी और तीसरे वरीयता क्रम के हरि प्रसाद फुयाल को छोड़कर चौथे वरीयता क्रम के डॉ. शर्मा की सिफारिश की गई थी। इस निर्णय पर संवैधानिक परिषद् की बैठक में दो सदस्यों ने असहमति जताई थी। राष्ट्रीय सभा अध्यक्ष नारायणप्रसाद दाहाल और प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के संसदीय दल के नेता भीष्मराज आङ्देम्बे ने विरोध किया था पर इसके बावजूद प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने डॉ. शर्मा के नाम की सिफारिश की।

ईरान ने तेल टैंकर 'ओशन कोई' किया जब्त, तेल निर्यात को बाधित करने का लगाया आरोप

एजेंसी

तेहरान। ईरानी सेना ने कहा कि उसकी नौसेना ने तेल टैंकर 'ओशन कोई' को जब्त कर लिया है। आरोप है कि यह टैंकर क्षेत्रीय हालात का फायदा उठाकर ईरान के तेल निर्यात को बाधित करने की कोशिश कर रहा था। सेना ने अपने बयान में कहा कि यह टैंकर ईरान का तेल ले जा रहा था और उसने 'खास ऑपरेशन' की योजना बनाकर ईरान के राष्ट्रीय हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। नौसेना ने टैंकर को ईरान के दक्षिणी तट की ओर मोड़ दिया और उसे देश की न्यायिक एजेंसियों को सौंप दिया। एक अलग बयान में सेना ने यह भी कहा कि उसकी नौसेना ने हाल के घंटों में अमेरिकी युद्धपोतों को क्रूज मिसाइलों, रॉकेटों और लड़ाकू ड्रोनों से निशाना बनाया। यह कार्रवाई उन्होंने ईरानी तेल टैंकरों पर हमलों के जवाब में की, जो होर्मुज स्ट्रेट और ईरान के क्षेत्रीय जल में हुए थे। सेना के अनुसार, अमेरिकी

युद्धपोतों को अपना रास्ता बदलना पड़ा और वे उस इलाके से हट गए। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी बलों ने 8 मई को एम/टी सी स्टार-III और एम/टी सेवडा को नुकसान पहुंचाया है, इससे पहले कि ये दोनों जहाज ओमान की खाड़ी में ईरानी बंदरगाह में प्रवेश करते। अमेरिका का कहना है कि जहाज उसके 'ब्लॉकेड' का उल्लंघन कर रहे थे। सेंट्रल कमांड ने यह भी कहा कि यूएसएस जॉर्ज एचडब्ल्यू बुश से एक एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट विमान ने दोनों टैंकरों पर सटीक हथियार दागकर उन्हें चलने लायक नहीं छोड़ा। ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका के इन रात के हमलों की कड़ी निंदा की और इसे आठ अप्रैल के युद्धविराम समझौते का उल्लंघन बताया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने अमेरिका पर 'लापरवाह सैन्य कार्रवाई' करने का आरोप लगाया और कहा कि जब 'कूटनीतिक समाधान मौजूद है' तब ऐसी कार्रवाई गलत है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि ईरानी लोग 'कभी दबाव के आगे नहीं झुकते' और 'कूटनीति हमेशा सबसे पहले प्रभावित होती है।' उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान की मिसाइल क्षमता और लॉन्चर क्षमता अब 120 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जो अमेरिकी खुफिया अनुमान से भी ज्यादा है। ईरान ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट के पास दो ईरानी जहाजों पर हमला किया और दक्षिणी शहरों व राजधानी तेहरान पर भी हवाई हमले किए, जिसमें कुछ क्षेत्रीय देशों की मदद ली गई।

भारत-बांग्लादेश समुद्री सहयोग को बढ़ावा देने के लिए आईओएस सागर चटगांव पहुंचा

एजेंसी

ढाका । भारत और बांग्लादेश के बीच बढ़ती समुद्री साझेदारी को दिखाते हुए इंडियन ओशन शिप (आईओएस) सागर बंगाल की खाड़ी से सफलतापूर्वक गुजरने के बाद दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश के चटगांव बंदरगाह पहुंच गया। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग के मुताबिक, यह महत्वपूर्ण पोर्ट कॉल आईओएस सागर 2026 बहुराष्ट्रीय तैनाती कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य समुद्री उत्कृष्टता और क्षेत्रीय समन्वय को मजबूत करना है। भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया पर बताया, बांग्लादेश के पानी में बीएनएस अली हैदर (एफ17) ने इसका स्वागत किया और उसे बंदरगाह तक एस्कॉर्ट किया गया। ' यात्रा के दौरान आईओएस सागर के कमांडिंग ऑफिसर कई उच्चस्तरीय कूटनीतिक बैठकों में हिस्सा लेंगे। इनमें कमांडर चट्टोग्राम नेवल एरिया, कमांडर बांग्लादेश नेवल फ्लीट और एरिया सुपरिंटेंडेंट डॉकयार्ड के साथ बैठकें शामिल हैं। इन बैठकों का उद्देश्य दोनों नौसेनाओं के बीच समुद्री सहयोग और पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

इन बातचीत का मकसद दोनों नेवी के बीच समुद्री सहयोग और प्रोफेशनल लेन-देन को बढ़ाना है। पोर्ट कॉल में प्रोफेशनल, सोशल और यादगार इवेंट्स का एक शानदार कार्यक्रम भी शामिल है। इस पोर्ट कॉल के दौरान कई पेशेवर, सामाजिक और स्मारक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कमांडर चट्टोग्राम नेवल एरिया शुक्रवार शाम को बांग्लादेश सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में स्वागत समारोह आयोजित करेगा। इसके बाद अगले दिन आईओएस सागर की ओर से डेक रिसेप्शन आयोजित किया जाएगा, जो चट्टोग्राम यात्रा की सफलता का उत्सव होगा। कमांडिंग ऑफिसर सीओएमसीएचआईटी द्वारा आयोजित चटगांव कॉमनवेल्थ वॉर सिमेट्री में एक पवित्र पुष्पांजलि समारोह के जरिए सामूहिक इतिहास में साझा बलिदानों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके अलावा, भारतीय अधिकारी चटगांव पोर्ट अथॉरिटी (सीपीए) के चेयरमैन से समुद्री लॉजिस्टिक्स और पोर्ट सुरक्षा पर चर्चा करने के लिए मिलेंगे। इसके बाद आपसी जहाज़ों का दौरा होगा, जिसके दौरान बांग्लादेश नेवी के कर्मचारी और आईओएस सागर का क्रू प्रोफेशनल क्रॉस-डेक बातचीत करेंगे।

यूक्रेन ने रूस में विजय दिवस समारोह से पहले की ड्रोन हमलों की बौछार

एजेंसी

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ा युद्ध पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। पश्चिमी देशों का समर्थन प्राप्त यूक्रेन और रूस के बीच 24 फरवरी 2022 से शुरू यह युद्ध अब वैश्विक कूटनीतिक और आर्थिक तनाव का केंद्र बन गया है। रूस में नौ मई को विजय दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए रूस ने एकतरफा सैन्य विराम की घोषणा की है। यह 8 मई आधी रात से प्रभावी होगा । यूक्रेन ने गुरुवार रात रूस पर ड्रोन हमलों की बौछार की है। तास न्यूज एजेंसी और मॉस्को टाइम्स अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने दावा किया है कि हमले के लिए दागे गए यूक्रेन के 347 ड्रोन को मार गिराया है। यूक्रेन ने 20 से ज्यादा रूसी क्षेत्रों को निशाना बनाने के मकसद से ड्रोन की बौछार की। इसे युद्ध शुरू होने के बाद यूक्रेन के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक माना जा रहा है। इससे पहले मार्च में यूक्रेन ने 389 ड्रोन लॉन्च किए थे। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को समेत कई इलाकों में एयर डिफेंस सिस्टम को सक्रिय करना पड़ा। गुरुवार दिन में भी यूक्रेन ने कई और ड्रोन भेजे। यह मॉस्को की तरफ बढ़ रहे थे। इसका असर राजधानी के हवाई यातायात पर भी पड़ा। मॉस्को के तीन बड़े एयरपोर्टशेरेमेत्येवो, डोमोडेडोवो और वनुकोवो से करीब 100 उड़ानें रद या देर से संचालित हुईं। महत्वपूर्ण है कि रूस के सैन्य विराम की घोषणा से पहले यूक्रेन ने भी मंगलवार आधी रात से हमले रोकने की बात कही थी।

इस्राइल-लेबनान के बीच 14-15 मई को अगले दौर की बातचीत, अमेरिकी विदेश विभाग ने दी जानकारी

एजेंसी

तेहरान । अमेरिकी विदेश विभाग ने जानकारी दी है कि इस्राइल और लेबनान के बीच अगले दौर की बातचीत 14 और 15 मई को होगी। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के बीच एक व्यापक शांति और सुरक्षा समझौता करना है। साथ ही इसमें हिजबुल्लाह से जुड़े मुद्दों पर भी बात होगी। अमेरिका इस पूरी बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभाएगा।

क्या बोले अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता?

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता थॉमस टॉमी पिगॉट ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने बताया कि आने वाली बातचीत 23 अप्रैल को हुई बातचीत के आधार पर आगे बढ़ेगी। उस बैठक का नेतृत्व खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। अमेरिका इन दो दिनों की बातचीत में दोनों देशों की सरकारों के बीच तालमेल बिठाने का काम करेगा।

विदेश विभाग के अनुसार, दोनों देशों के प्रतिनिधि शांति और सुरक्षा के ढांचे पर विस्तार से चर्चा करेंगे। इसमें सीमाओं का निर्धारण और लेबनान के लिए मानवीय सहायता जैसे विषय शामिल होंगे। अमेरिका का लक्ष्य पिछले दो दशकों के उन असफल तरीकों को बदलना है, जिनकी वजह से हिजबुल्लाह जैसे उग्रवादी गुट मजबूत हुए। इन गुटों ने लेबनान की सरकारी सत्ता को कमजोर किया और इस्राइल की उत्तरी सीमा के लिए खतरा पैदा किया।

बातचीत का केंद्र शांति स्थापित करना

अमेरिका ने साफ किया है कि बातचीत का केंद्र लेबनान की संप्रभुता को बहाल करना और लंबे समय के लिए क्षेत्र में स्थिरता व शांति लाना है। दोनों पक्ष अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर इस प्रक्रिया में शामिल होने के लिए तैयार हैं। अमेरिका मतभेदों को दूर करने की कोशिश करेगा ताकि इस्राइल को सुरक्षा और लेबनान को पुनर्निर्माण में मदद मिल सके।

अमेरिकी विदेश विभाग ने इस बात पर जोर दिया कि शांति तभी संभव है जब लेबनान की सरकार का अपनी जमीन पर पूरा अधिकार हो। इसके लिए हिजबुल्लाह का पूरी तरह निहत्था होना जरूरी है। बता दें कि अमेरिका हिजबुल्लाह को एक विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

स्थायी शांति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम?

बयान में आगे कहा गया, ये चर्चाएं दशकों से चले आ रहे संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच स्थायी शांति स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम हैं। पिछले महीने, ट्रंप ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो, इस्राइल में राजदूत माइक हकाबी और लेबनान में राजदूत मिशेल इस्सा के साथ एक बैठक के बाद, दोनों पक्षों के बीच 10-दिन के संघर्ष विराम को बढ़ाने की घोषणा की। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि युद्धविराम को तीन हफ्तों के लिए बढ़ाया गया है।

इस बीच, मार्को रुबियो ने कहा कि दोनों देशों के बीच शांति समझौता पूरी तरह संभव है, लेकिन क्षेत्रीय हालात के कारण यह कठिन होगा। उन्होंने हिजबुल्लाह को शांति के रास्ते में मुख्य बाधा बताया।

रुबियो के अनुसार, हिजबुल्लाह लेबनान की जमीन का इस्तेमाल इस्राइल पर हमले के लिए करता है, जिससे लेबनान के लोगों को भी भारी नुकसान होता है। फिलहाल दक्षिण लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई और उत्तर में हिजबुल्लाह के हमले जारी हैं।

page 1 and 8 may 10_page 1 Mar 25 final ds.qxd 5/10/2026 12:47 AM Page 2

स्थानीय समाचार

भाजपा की संगठनात्मक बैठकों का दौर जारी, कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। रेखा महाजन ने तीन दिवसीय सांबा दौरे के दौरान जिले के विभिन्न मंडलों में संगठनात्मक बैठकों की अध्यक्षता करते हुए पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूत बनाने पर जोर दिया। बैठकों में जिला अध्यक्ष आशा रानी, महासचिव राकेश सम्याल, अमित दुबे, संगठन मंत्री इंद्रजीत शर्मा सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम घगवाल, बड़ी ब्राह्मणा, बंग्लाड, रामगढ़, स्वांखा, सांबा, नड, विजयपुर और पुरमंडल मंडलों में आयोजित किए गए। मंडल अध्यक्षों, मोर्चा प्रमुखों और शक्ति केंद्र प्रमुखों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

अपने संबोधन में महाजन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसके कार्यकर्ता पूरे वर्ष जनता के बीच सक्रिय रहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सेवा, अनुशासन और समर्पण संगठन की संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी सहित हर संकट की घड़ी में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अग्रिम पंक्ति में रहकर लोगों की मदद की। राशन, दवाइयों, मास्क और अन्य आवश्यक वस्तुओं के वितरण से लेकर अस्पताल सहायता तक, भाजपा कार्यकर्ताओं ने समाज सेवा का उदाहरण पेश किया।

रेखा महाजन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता लगातार मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि कई राजनीतिक दल केवल चुनाव के समय जनता के बीच दिखाई देते हैं, जबकि भाजपा कार्यकर्ता सालभर लोगों की सेवा में जुटे रहते हैं।

उन्होंने सांबा जिले के कार्यकर्ताओं की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने, जनसंपर्क बढ़ाने और केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। बैठकों में संगठन विस्तार, बूथ समितियों को सशक्त बनाने और आगामी पार्टी कार्यक्रमों की तैयारियों पर भी चर्चा की गई।

नशा मुक्त अभियान को लेकर डीआईजी से की मुलाकात

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। श्री कैलख ज्योतिष एविम वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज के डीआईजी स्श्रीधर पाटिल से शिष्टाचार भेंट कर जम्मू-कश्मीर में चल रहे नशा मुक्त अभियान, युवा जागरूकता और समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर महंत रोहित शास्त्री ने एलजी मनोज सिन्हा द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय नशा मुक्त अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने और समाज को नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि नशा आज युवाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुका है और ऐसे समय में प्रशासन तथा पुलिस द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान प्रेरणादायक है।

महंत रोहित शास्त्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस नशे के खिलाफ जिस समर्पण और दृढ़ता के साथ काम कर रही है, वह पूरे देश के लिए उदाहरण है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

केंद्रीय विश्वविद्यालय जम्मू में आईटीईपी पाठ्यक्रमों को मिली मंजूरी, बीए-बीएड और बीएससी-बीएड कार्यक्रम नए शैक्षणिक सत्र से होंगे शुरू

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के शिक्षा अध्ययन विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) बैठक में आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) द्वारा बीए-बीएड और बीएससी-बीएड एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) शुरू करने को मंजूरी प्रदान की गई। विश्वविद्यालय के कुलपति संजीव जैन के नेतृत्व में आयोजित बैठक में विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभागों के अध्यक्षों के साथ विस्तृत चर्चा की गई। कुलपति ने कहा कि आईटीईपी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप भारत सरकार और एनसीटीई की एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में समस्या समाधान, रचनात्मक सोच, संचार कौशल तथा नैतिक मूल्यों जैसी क्षमताओं का विकास करेगा।

उन्होंने बताया कि उच्च शिक्षा में बहुविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के सहयोग से कौशल आधारित और रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। इस दौरान विभाग की नई पहल के तहत कक्षाओं को 卐संवाद कक्ष卐 तथा प्राचीन ऋषियों एवं उनके शिष्यों के नामों से संबोधित करने का निर्णय भी लिया गया।

शिक्षा अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. असित मंत्री ने बैठक के एजेंडा और विभाग की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि विभाग का उद्देश्य सक्षम और मानवीय मूल्यों से युक्त शिक्षक तैयार करना है। उन्होंने संबंधित विभागों के शिक्षकों और अध्यक्षों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

बैठक में प्रो. जे.एन. बलिया ने बीएससी-बीएड कार्यक्रम की रूपरेखा और विभिन्न सेमेस्टरों के क्रेडिट सिस्टम की जानकारी दी, जबकि परीक्षा नियंत्रक प्रो. सूरी ने मेजर और माइनर पाठ्यक्रमों के मूल्यांकन मानदंडों पर प्रकाश डाला। बैठक में डीन अकादमिक प्रो. सुरम सिंह, एसोसिएट डीन प्रो. उदय प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्षों और विशेषज्ञों ने सक्रिय भागीदारी निभाई तथा पाठ्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए सुझाव दिए। कार्यक्रम का समापन शिक्षा अध्ययन विभागाध्यक्ष प्रो. असित मंत्री द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

गंड्याल में अवैध खनन पर सख्ती, माइनिंग विभाग ने 4 डंपर, ट्रक और ट्रैक्टर जब्त किए

कठुआ, 09 मई (हि.स.)। जिला कठुआ में अवैध खनन और खनिजों की अवैध ढुलाई के खिलाफ माइनिंग विभाग ने सख्त कार्रवाई करते हुए गंड्याल क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। विभाग द्वारा 8-9 मई की दरमियानी रात चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 4 डंपर, 1 ट्रक और 1 ट्रैक्टर को जब्तध्दंडित किया गया।

जानकारी के अनुसार ये वाहन गंड्याल क्षेत्र से अवैध रूप से खनिज निकालकर पड़ोसी राज्य पंजाब ले जाने की कोशिश कर रहे थे। माइनिंग विभाग ने मौके पर ही कार्रवाई करते हुए सभी वाहनों को पकड़ लिया और आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। बताया गया कि कठुआ में नए जिला खनन अधिकारी वीरेंद्र सिंह के पदभार संभालने के बाद अवैध खनन के खिलाफ अभियान और तेज कर दिया गया है। यह कार्रवाई उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी, उपायुक्त कठुआ राजेश शर्मा और निदेशक भूविज्ञान एवं खनन विभाग पवन कुमार शर्मा के निर्देशों के तहत की गई है जिसमें अवैध खनन और खनिजों की गैरकानूनी ढुलाई पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। माइनिंग विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ आगे भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतर-विद्यालयी खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ, 600 से अधिक खिलाड़ियों ने क्रिकेट, फुटबॉल और खो-खो में दिखाया दमखम

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। युवा सेवा एवं खेल विभाग के तत्वावधान में जोन अखनूर की अंतर-विद्यालयी जोन स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं 2026-27 का शुभारंभ स्पोर्ट्स स्टेडियम पलवां, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोहल तथा इंडोर स्टेडियम अखनूर में हुआ। प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला युवा सेवा एवं खेल अधिकारी जम्मू सुखदेव राज शर्मा के नेतृत्व तथा जोनल फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर अखनूर अशोक कुमार की देखरेख में किया जा रहा है। प्रतियोगिताओं में जोन अखनूर के विभिन्न सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के 600 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अंडर-14 और अंडर-17 बालक एवं बालिका वर्ग में क्रिकेट, फुटबॉल और खो-खो मुकाबले आयोजित किए गए।

खेल मैदानों में खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीम भावना और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सोहल की उप-प्रधानाचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं तथा पढ़ाई के साथ खेलों में भागीदारी व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कार्यक्रम के दौरान सभी खिलाड़ियों, अधिकारियों और विद्यार्थियों को 卐नशा मुक्त भारत卐 की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ और अनुशासित जीवन अपनाने का संदेश दिया गया। जोनल फिजिकल एजुकेशन ऑफिसर अशोक कुमार ने खिलाड़ियों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए विभागीय अधिकारियों, तकनीकी स्टाफ और मेजबान संस्थानों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

जम्मू में नुमाइश प्रदर्शनी का शुभारंभ, महिला उद्यमिता और स्थानीय प्रतिभाओं को मिला प्रोत्साहन

जम्मू, 09 मई (हि.स.)। नेहा महाजन, अध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा जम्मू-कश्मीर ने शनिवार जम्मू स्थित ज़ोन बाय द पार्क में बहुप्रतीक्षित नुमाइश प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में महिला उद्यमियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, भाजपा महिला मोर्चा पदाधिकारियों और विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रदर्शनी का आयोजन शिखा सूरी चोपड़ा द्वारा किया गया जिसका उद्देश्य महिला उद्यमिता, रचनात्मकता, फैशन, लाइफस्टाइल उत्पादों और स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी में महिलाओं द्वारा तैयार किए गए फैशन उत्पाद, हस्तनिर्मित वस्तुएं, एक्सेसरीज और लाइफस्टाइल से जुड़े विभिन्न स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे।

इस अवसर पर नेहा महाजन ने आयोजक शिखा सूरी चोपड़ा की सराहना करते हुए कहा कि नुमाइश जैसी पहल महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और आर्थिक रूप से सशक्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं और ऐसे मंच

उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजक शिखा सूरी चोपड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए नेहा महाजन का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि 卐नुमाइश卐 का उद्देश्य महिलाओं और रचनात्मक प्रतिभाओं को ऐसा मंच उपलब्ध कराना है, जहां वे अपने उत्पादों और कौशल को प्रदर्शित कर सकें तथा आपसी नेटवर्किंग के माध्यम से आगे बढ़ सकें।

कार्यक्रम के दौरान आगंतुकों ने प्रदर्शनी में लगाए गए आकर्षक स्टॉलों और रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की। आयोजन सकारात्मक माहौल में संपन्न हुआ और प्रतिभागियों ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाने की उम्मीद जताई।

पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक सफलता-पूर्वक सम्पन्न

सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्व-जागरण, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों पर बल

ऐसे समय में, जब एक ओर तो न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में भौतिक प्रगति और विकास के नाम पर, प्राकृतिक संसाधनों का शोषण और रसायनों का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है तथा दूसरी ओर कई देशों के बीच विनाशकारी युद्ध की स्थिति बनी हुई है, वहीं नोएडा स्थित गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में युगाब्द 5128, विक्रम 2083, वैशाख कृष्ण प्रतिपदा, द्वितीया, तृतीया 3, 4, 5 अप्रैल को, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि की अखिल भारतीय बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

उद्घाटन सत्र और तदुपरांत विविध सत्रों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सर-कार्यवाह श्री दत्तात्रेय होसबोले जी ने देशभर से आए हुए लगभग 250 कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए संघ की प्रार्थना पर ध्यान आकृष्ट किया। इस संदर्भ में उन्होंने राष्ट्र को परम वैभवशाली बनाने हेतु विकास कार्यों को तन-मन-धन से पर्यावरण पूरक बनाने पर बल दिया। उन्होने समाज में शीलता बनाए रखने के लिए कुरीतियाँ छोड़कर 'विकसित भारत बनाने, गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाने, विरासत पर गर्व करने, एकता और एकजुटता तथा नागरिकों द्वारा अपने कर्तव्य पालन में निरत रहने' के 卐पंच प्राण卐 का आह्वान किया। साथ ही पर्यावरण पूरक कार्यकलापों का विस्तार और इन्हें लागू करते हुए 'विरोध नहीं विकल्प, हानिकारक नीतियों और कार्यक्रमों के प्रति सात्विक क्रोध प्रकट करने, सुझाव देने, स्वयं बनो और समाज को बनाओ, तथा समस्त पर्यावरण को न्यूनतम हानि और अधिकतम लाभ हेतु निरंतर प्रयास करने का मंत्र दिया। संघ शताब्दी सोपान पर पंच परिवर्तन, जिसमें सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, स्व-जागरण, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों की चेतना को राष्ट्रीय उत्थान के पाँच स्तंभों के रूप में पुनः प्रस्तुत किया। उन्होंने चेताया कि इन्हें व्यवहार, व्यवस्था और व्यावसाय में भी लाना होगा। अपनी भाषा पर भी नियंत्रण रखना होगा। उन्होंने कहा कि इस नियम का पालन करना प्रत्येक स्वयंसेवक का कर्तव्य है। सभा की ओर से उन्होंने महाकुंभ 2025 के दौरान एक थाली एक थैला अभियान में योगदान के लिए नवनीत अग्रवाल जी का अभिनंदन भी किया। फिर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि और गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉक्टर प्राचार्य राणा प्रताप सिंह जी का प्रेरक उद्बोधन हुआ।

इससे पूर्व, पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के राष्ट्रीय संयोजक, माननीय गोपाल आर्य जी ने PPT (पावरपॉइंट) द्वारा पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के कार्य विभाग, वार्षिक कार्यक्रम, कार्य पद्धति और उपक्रम उपलब्धियों और लक्ष्यों को प्रदर्शित किया। गतिविधि के राष्ट्रीय सह-संयोजक माननीय राकेश जैन जी ने प्रस्तावना रखी। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण हेतु वर्ष 1730 में राजस्थान की खेजड़ली तथा आसपास के ग्रामीण अंचल से अमृता देवी जी के नेतृत्व में 363 बलिदानी वीरांगनाओं की अमर कथा का उल्लेख करते हुए हाल के विभिन्न अभियान, जैसे 'अपना संस्थान राजस्थान', 'हरियावल पंजाब', आदि और फिर पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के महत्वपूर्ण कार्यों का उल्लेख भी किया।

बैठक में गौ माता के संरक्षण और गाँव गाँव में चरागाह स्थापित करने तथा विकसित करने का आह्वान हुआ। सायंकालीन सत्र में वर्ष 2026 के लिए जिला स्तर पर गतिविधि पंचांग की रूपरेखा तैयार करने पर विस्तृत चर्चा हुई। बीजारोपण से वृक्षारोपण, पर्यावरण पाठशाला, 5 जून से 15 दिवसीय जलवायु कार्य योजना पर काम, 1 से 21 जुलाई तक हर जिले की बड़ी बैठक, 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतिस्पर्धा, हर घर हरित घर और हर घर नर्सरी (हरित घर संपर्क अभियान, हरित संगम, हरित मिलन), 28 से 31 अगस्त तक प्रकृति वंदन दिवस, और सितम्बर-ऑक्टूबर मास में स्वछ सागर-स्वछ जलाशय कार्यक्रम आयोजित करने हेतु विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया।

दक्षिण क्षेत्र के संयोजक गणपति जी ने उत्तर क्षेत्र की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में करणीय कार्यों की समीक्षा हुई और छोटी टोली के दायित्व विषय में परिचर्चा भी हुई। जो बात उभरकर सामने आई, उसके अनुसार संयोजक और सह-संयोजक का दायित्व निभाने में छोटी टोली के सदस्य उनका पूर्ण सहयोग करेंगे। छोटी टोली की बैठक में कार्य अवलोकन करना, योजना बनाना, हरित मिलन और हरित संगम मनाना, सामूहिक निर्णय लेना विषयों पर चर्चा हुई। एक प्रांत-एक संकल्प और संघ शिक्षक वर्ग पर्यावरण पूरक हो, ऐसा निर्देश दिया गया। कार्यकर्ता के लिये इस बात को विशेष महत्व दिया गया कि मुख्यतः 'मेरी भूमिका गृह संपर्क ही है।

नवाचार, मानस परिवर्तन, पी एस जी ग्लोबल, सी ओ पी विषय पर सुश्री सुरभि जी ने चर्चा की शुरुआत की। इस दौरान स्टार्ट-अप्स का योगदान उभरकर सामने आया। राजपाल सिंह जी ने वास्तु कला और पर्यावरण के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया। यह भी बताया गया कि केंद्रीय पी एस जी, 5 विशेषज्ञ कार्य समूह बनाने जा रहा है जिनका ध्यान हिमालय, नदियाँ और जल, अरावली, एन सी आर दिल्ली और कचरा प्रबंधन पर केंद्रित है।

जन जागरण, न्याय प्रणाली, साहित्य संकलन, शोध और अध्ययन समूह द्वारा पर्यावरण को उन्नत बनाने पर भी चर्चा हुई। विशेष वक्तव्य उत्तराखंड में पारंपरिक एवं बहुमूल्य बीज संरक्षित रखने के बारे में डॉ. देव राघवेंद्र जी का था। पुनीत सूद जी कार्यक्रम के सूत्रधार रहे।

सम्मेलन के दूसरे दिन, 4 अप्रैल, 2026, को गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय सभागार में विजय जी ने प्रकृति दर्शन और अनुभूति भ्रमण कार्यक्रम के लाभ बताए। उन्होंने इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। मा. कृष्ण गोपाल जी, सह कार्यवाह की उपस्थिति में क्षेत्रश- परिचय कराया गया। सत्र समापन पर सम्बोधित करते हुए उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि थोड़े से समय में लाखों लोग पी एस जी से जुड़े हैं। उन्होंने स्वयं से आरंभ करके अपनी बात को वैश्विक मंच पर पहुँचाने पर बल दिया। वैश्विक उष्णता से अकल्पनीय परिवर्तन हो रहे हैं। ग्लेशियर पिघल रहे हैं, समुद्री जल स्तर बढ़ रहा है। उपभोक्तावाद में प्रतिस्पर्धा से कचरा और प्रदूषण अनियंत्रित रूप से बढ़ रहे हैं। भारत में पेट्रोल और डीज़ल की खपत 2 करोड़ टन प्रति दिन हो रही है। इसी प्रकार, 15 टन मिनरल प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति उपभोग कर रहा है। समस्या का मूल पश्चिम के चिंतन में है। सारी धरती और सारी सृष्टि पर अपना अधिकार मानता है। भारतीय संस्कृति में सृष्टि और सृष्टा दोनों अंग संग हैं। दोनों एक हैं। इसीलिए कम से कम उपभोग का प्रचलन पूर्व में रहा है।

कृष्ण गोपाल जी ने कहा कि हमें अपनी संस्कृति की ओर लौटना होगा और विश्व को समझाना होगा। जीवन शैली को सरल और पर्यावरण के अनुकूल बनाना होगा। उन्होंने कहा कि आज का समय हमारी संस्कृति के विस्तार का संक्रमण काल है। हमें अपनी जीवन शैली को व्यवस्थित करते हुए आगे बढ़ना है। आवश्यक है कि हम अपनी टीम बनाएं, अधिक से अधिक पेड़ लगाएं, जलाशय साफ रखें और बढ़ाएं तथा इस विचार को नीचे तृणमूल तक समझाएं।

इसके पश्चात, क्षेत्रवार प्रांतों की गतिविधियों का संगठनात्मक और कार्यक्रमात्मक वृत्त प्रदर्शित किया गया। ऐसे ही कार्य विभागों की गतिविधियों और कार्य योजनाओं का भी अवलोकन किया गया। सामाजिक संस्थान कार्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता श्री अभिजीत देशपांडे जी ने की। मेरा केंद्र, मेरी भूमिका के अन्तर्गत निम्नलिखित आग्रह के पाँच बिंदु उजागर हुए-

मैं पर्यावरण का कार्यकर्ता हूँ; मैं पड़ोसियों से भी पर्यावरण पूरक होने की अपेक्षा करता हूँ; मैं अपना दायित्व ठीक से निभाता हूँ; टोली के कार्यकर्ताओं से मेरा सम्पर्क ठीक है; मैं अन्य पर्यावरण प्रेमियों से निरंतर जुड़ता रहता हूँ। नवाचार समीक्षा बैठक में कला से पर्यावरण, रैग पिकर्स, बर्तन बैंक, ईको यूथ स्टार्ट अप समिट, अध्ययन समूह, पीएसजी ग्लोबल, वृक्ष कथा, बाल ओलिंपिक्स, पराली उत्पाद, आदि पर भी चर्चा हुई। भोपाल से कचरा प्रबंधन प्रमुख इम्तियाज अली जी ने नाना जी देशमुख की प्रेरणा से सरकारी नौकरी छोड़कर कचरा प्रबंधन के अपने सफल सफर की कहानी सुनाई। कचरा बीनने वालों को अपने साथ जोड़ा। स्वछता भी बढ़ी और उन्नत तकनीक का उपयोग करके कचरा बीनने वालों की आय भी बढ़ी। नायर जी ने कूड़े वाले को सशक्त बनाने के अपने सफल प्रयासों से परिचित कराया। अदम्य चेतना केंद्र, बैंगलुरु, के श्री ओम जी ने थाली बैंक की सफल कहानी भी सुनाई। उमा शंकर पांडेय जी ने जलगाँव में पेड़ और पानी के महत्व पर बात की। डाक्टर प्रसन्ना मूर्ति जी ने जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में पेड़-पौधों के महत्व पर चर्चा की। देवी वन, सरस्वती वन, रामायण के पेड़-पौधे आदि पर भी चर्चा हुई।

STOP...!

MOSQUITO BREEDING

PREVENT MALARIA, DENGUE & CHIKUNGUNYA

- Do not allow water to stagnate in and around your surroundings.
- Keep water tanks and other water containers tightly covered with lids.
- Get your Blood tested from Govt. Hospital/Health Worker in case of fever with chills, rigors and headache.
- Empty water coolers once in a week.
- Discard/destroy Junk items like old tyres etc.
- Empty air coolers, drums, flower pots and birds bath weekly.
- Use mosquito repellent creams and Bed nets while sleeping.
- Use netted screens on doors and windows.
- Wear full body clothes to prevent mosquito bites.
- Improve basic sanitation.

Symptoms

- **Dengue:** High fever, frontal headache, pain behind the eyes worsening with eye movement, muscle & joint pain, rash on the body, pain abdomen, nausea, vomiting, bleeding and low BP in severe cases.
- **Chikungunya:** Fever, joint pain, muscular pain, fatigue, headache, rash.
- **Malaria:** High grade fever with chills, sweating, headache, vomiting, convulsions, weakness.

Visit nearby Health Institution if any of above diseases is suspected.
Investigations & Treatment are free of cost in Govt. institutions

ISSUED IN PUBLIC INTEREST BY:
JAMMU MUNICIPAL CORPORATION &
DIRECTORATE OF HEALTH SERVICES, JAMMU.

DIP/J-1824/26
Dtd: 9-5-2026